RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 100 ता. 08 अक्टूबर 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

किसानों की आमदनी बढ़ाना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : चौहान

रांची । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड की राजधानी रांची के समीप गढ़खटंगा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिसर में दो बहुउद्देशीय भवन की आधारशिला रखी, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों को विशेष प्रशिक्षण देना है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाना वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और इसके लिए उन्नत खेती पद्धति अपनाने का प्रयास हो रहा है जिसमें यह संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने और उत्पादन की लागत कम करने के लिए अच्छे बीज, शोध के माध्यम से, किसानों को उपलब्ध कराने के लिए यहां के रिसर्चर कार्य कर रहे हैं। इसके पहले केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कुछ किसानों को कृषि में प्रयोग आने वाली सामग्रियों का वितरण भी किया। अपने स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक डॉक्टर सुजय रक्षित ने संस्थान के इतिहास व भूमिका की चर्चा करते हुए बताया कि इस संस्थान से अब तक 30 छात्र बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी जैसे विशिष्ट कोर्सों की पढ़ाई कर देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्य कर रहे हैं और वर्तमान में यहां 70 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

खड़गे का आरोप, मोदी अर्थशास्त्र.....अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना की है, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी अर्थशास्त्र को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप करार दिया। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी के पुराने भाषण उनकी विफलताओं को छिपा नहीं सकते और इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है। खड़गे ने यूपीए और एनडीए के बीच निर्यात वृद्धि की तुलना की। उन्होंने बताया कि 2013-14 से 2022-23 तक घरेलू देनदारियों में 241 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और घरेलू ऋण का जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 40 प्रतिशत का स्तर अब तक का उच्चतम है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों की खपत महामारी के बाद उनकी आय से अधिक हो गई है, सितंबर 2024 में घर में बनी सब्जी की थाली की कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खड़गे ने मेक इन इंडिया की विफलता का जिक्र कर कहा कि कांग्रेस-यूपीए के दौरान भारत के बढ़ते निर्यात के लाभों को मोदी की नीतियों ने त्याग दिया। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र की औसत वृद्धि दर में गिरावट का भी उल्लेख किया, यह बताकर कि 2014-15 से 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर सिर्फ 3.1 प्रतिशत रही, जबकि 2004-05 से 2013-14 के बीच यह 7.85 प्रतिशत थी। इसके अलावा, विनिर्माण में कार्यरत श्रमिकों का हिस्सा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से घटकर 11.4 प्रतिशत (2023-24) हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सूरत के हीरा कारीगरों की कठिनाइयों का जिक्र किया, जहां श्रमिकों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती की गई है और प्रमुख हीरा इकाइयों को केवल सप्ताह में 4 दिन संचालित होने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में 60 से अधिक हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में मनरेगा के तहत काम की मांग घटकर सिर्फ 1.6 करोड़ रह गई है, जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे कम मासिक मांग है। खड़गे ने कहा, मोदी अर्थशास्त्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अभिशाप है!

पार्टियों के दावों और एग्जिट पोल के अनुमानों की परीक्षा आज...कड़ी सुरक्षा के बीच होगी मतगणना...

हरियाणा में कांग्रेस ने शुरू की मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी, जम्मू-कश्मीर में भी बढ़ी हलचल

- आज हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल
- जम्मू-कश्मीर में किंगमेकर साबित होगी पीडीपी

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब सभी को इंतजार नतीजों का है। दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम मंगलवार को आएंगे। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की काउंटिंग की जाएगी। मतदान के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। उधर, एग्जिट पोल में कांग्रेस दोनों राज्यों में मजबूत होकर उभरी है। इसको देखते हुए हरियाणा में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी शुरू कर दी है, वहीं जम्मू-कश्मीर में भी हलचल बढ़ गई है। आज दोपहर तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी की हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल होगा। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में 90-90 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। ऐसे में सरकार बनाने के लिए 46 सीटें चाहिए। कांग्रेस को उम्मीद है कि हरियाणा में वह 10 साल बाद सत्ता में वापसी करेगी। दोनों ही राज्यों में मंगलवार को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसका इस्तेमाल दिव्यांग, सुरक्षा बल और कुछ सरकारी अधिकारियों सहित आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों जैसे चुनिंदा समूह ही कर सकते हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की गिनती की जाएगी। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों ही जगहों पर किसकी सरकार बनेगी ये दोपहर तक स्पष्ट हो जाएगा। यह चुनाव जम्मू और कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद पहली बार हो रहे हैं, ऐसे में इनका विशेष महत्व है।जम्मू-कश्मीर में चुनाव तीन चरणों में हुए और एक अक्टूबर को आखिरी चरण की वोटिंग हुई थी। वहीं हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर 5 अक्टूबर को मतदान हुआ। वोटिंग के तुरंत बाद अलग-अलग एजेंसी के एग्जिट पोल भी सामने आए हैं। जिसमें ये अनुमान लगाया गया कि आखिर दोनों राज्यों में किस पार्टी की सरकार बनने के आसार हैं। चुनाव परिणाम से पहले सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल्स में जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु विधानसभा होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या एनसी-कांग्रेस गठबंधन को बढ़त मिलने की स्थिति में पीडीपी 'किंगमेकर' की भूमिका निभाएगी?

40 फीसदी से ज्यादा वोट तभी बनेगी कांग्रेस सरकार

पिछले कुछ चुनाव के ट्रेंड के मुताबिक कांग्रेस तभी अकेले सरकार बना पाएगी जब उसे 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिलेंगे। 2005 में कांग्रेस को 42.5 फीसदी वोट मिला था। उस दौरान कांग्रेस को 67 सीटे मिली थी। 2009 में 40 फीसदी से कम वोट मिले तो कांग्रेस की सीटें खिसककर 40 पहुंच गई। वहीं, कांग्रेस के वोट प्रतिशत बढ़ने और भाजपा के वोट बैंक स्थिर रहने पर तीसरे दल की भूमिका भी खत्म होती है। 2005 में 42 फीसदी वोट मिलने पर तीसरे दल की कोई भूमिका नहीं थी। वहीं, 2019 में जब कांग्रेस का वोट प्रतिशत 30 फीसदी से नीचे आया तो तीसरे दल की भूमिका के रूप में जजपा उभकर कर सामने आई। कांग्रेस इस बात को अच्छी तरह से समझती है, इसलिए उसने इस चुनाव में तीसरे दल भूमिका को सामने नहीं आने दिया। आप से गठबंधन नहीं किया और इनेलो व जजपा को भी कोई भाव नहीं दिया। दूसरी तरफ भाजपा का पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ गया था, लेकिन सीटें कम हो गई थी। पिछली बार भाजपा को 36.7 फीसदी वोट मिला था। सीटें 40 आई थीं। 2014 में 33.3 फीसदी वोट मिला था और सीटें 47 आई थीं।

जम्मू-कश्मीर में 10 हजार कर्मचारी संभालेंगे ड्यूटी

जम्मू-कश्मीर में 10 वर्ष बाद हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना में विधानसभा की 90 सीटों के 873 उम्मीदवारों का भाग्य तय होगा। जिला मुख्यालयों के अलावा प्रदेश के दोनों राजधानी शहरों जम्मू व श्रीनगर में मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। मतगणना की निगरानी के लिए 700 पर्यवेक्षक भी तैनात रहेंगे। कश्मीर में भी मतगणना केंद्रों की कड़ी सुरक्षा रहेगी। केंद्रशासित प्रदेश के 20 जिलों की 90 विधानसभा सीटों के लिए मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी। संबंधित जिले के विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के अधिकृत काउंटिंग एजेंटों, मतगणना की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को छोड़कर किसी को भी काउंटिंग सेंटर के अंदर जाने की इजाजत नहीं होगी। 20 काउंटिंग सेंटरों में होने वाली मतगणना पर चुनाव आयोग के पर्यवेक्षकों की पैनी नजर रहेगी। 10 हजार कर्मचारी व अधिकारियों की ड्यूटी लगी है। मतगणना केंद्रों के भीतर सीसीटीवी कैमरे भी रहेंगे जो मतगणना प्रक्रिया की निगरानी और रिकार्डिंग भी करेंगे। मतगणना की वीडियो रिकार्डिंग भी होगी। मतगणना सुचारु हो इसे को लेकर लगातार प्रशासनिक बैठकें हो रही हैं।

5 विधायक आज होंगे मनोनीत

जम्मू-कश्मीर में 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के तुरंत बाद 5 विधायकों को मनोनीत किया जाएगा। गृह मंत्रालय के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा 5 लोगों को विधानसभा के लिए नॉमिनेट करेंगे। ऐसे में विधायकों की कुल संख्या 95 हो जाएगी और बहुमत का आंकड़ा बढ़कर 48 हो जाएगा। दरअसल, 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 के तहत विधानसभा में 5 विधायकों को एलजी नामांकित कर सकते हैं। यह नियम महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और पीओके के प्रतिनिधित्व के लिए लाया गया था। जुलाई 2023 में इसे संशोधित किया गया था। इन मनोनीत विधायकों को विधानसभा में वोटिंग के अधिकार के साथ-साथ सभी विधाई शक्तियां और विशेषाधिकार मिलेंगे। 10 में से 5 एग्जिट पोल के नतीजों में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी की सरकार बनते दिख रही है। 5 में हंग असेंबली का अनुमान है। ऐसे में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने आशंका जताई है कि ये विधायक भाजपा को सपोर्ट कर सकते हैं।

भारत की पड़ोसी प्रथम पॉलिसी.....

मालदीव को पीने का पानी और कोविड टीके देने में देरी नहीं की

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ पीएम मोदी की चर्चा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की पड़ोसी प्रथम पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी विजन अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, दोनों पड़ोसी देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का फैसला किया है। साथ ही मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम होगा। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों का हवाला देकर कहा कि भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और मित्र है।

पीएम मोदी ने कहा, चाहे मालदीव के लोगों के तक जरूरी वस्तुओं को पहुंचाना हो, प्राकृतिक आपदा के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो या कोविड के दौरान टीके उपलब्ध कराना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। दोनों नेताओं ने डेवलपमेंट पार्टनरशिप, ऊर्जा, व्यापार, वित्तीय जुड़ाव और रक्षा सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तों को और गहरा करने के लिए व्यापक चर्चा की और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने कहा, सोमवार को हम दोनों ने रीडेवलप्ड हनीमाधू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया।

अब ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट में भी तेजी लाई जाएगी। थिलाफुशी में एक नए कमर्शियल बंदरगाह के विकास के लिए भी

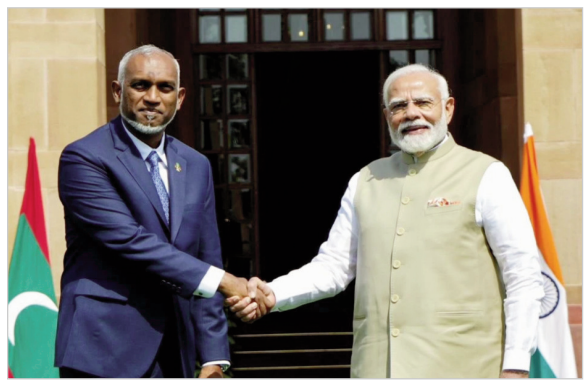

मदद दी जाएगी। आज भारतीय सहायता से तैयार 700 से अधिक सोशल हाउसिंग यूनिट्स भी सौंपी गई। भारत और मालदीव को यूपीआई से जोड़ने के लिए काम होगा।

मालदीव के तटरक्षक जहाज हुरवी की मरम्मत का काम भी भारत सरकार द्वारा निःशुल्क करेगी। मालदीव में रुपे कार्ड के लॉन्च के अलावा, दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचआईए) के नए रनवे का भी उद्घाटन किया। इसके पहले, मोहम्मद मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। मुइज्जू को 21 तोपों की सलामी दी गई और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया।

रेप-मर्डर केस में सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की

- ट्रेनी डॉक्टर का नहीं हुआ गैंगरेप
- चार्जशीट में संजय रॉय को इकलौता आरोपी बनाया

कोलकाता।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जांच एजेंसी ने ट्रेनी डॉक्टर से गैंगरेप की आशंका को नकार दिया है। एजेंसी का कहना है कि वारदात को संजय रॉय ने अकेले अंजाम दिया था।

करीब 100 गवाहों के बयानों और 12 पॉलीग्राफ टेस्ट करने के बाद सीबीआई इस नतीजे पर पहुंची। पुलिस ने संजय को घटना के अगले दिन 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। 9 अगस्त की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल में पीड़ित की अर्धनग्न डेडबॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि विक्टिम की दोनों आखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गर्दन की हड्डी भी टूटी थी। हालांकि संजय अब तक खुद को बेगुनाह बता रहा है। संजय को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पहचाना था।

फुटेज में वह 9 अगस्त की सुबह 4 बजे सेमिनार हॉल में अंदर जाता दिखाई दिया। इस दौरान उसने कानों में इयरफोन लगाया हुआ था। करीब 40 मिनट बाद वह हॉल से बाहर निकला तो उसके पास इयरफोन नहीं था। पुलिस को क्राइम सीन पर एक ब्लूटूथ इयरफोन मिला था, जो उसके फोन से कनेक्ट हो गया था।

कर्नाटक में सत्ता पर सस्पेंस, सिद्धारमैया दशहरा के बाद इस्तीफा दे सकते हैं!

मैसुरु।

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने दावा किया है कि सिद्धारमैया दशहरा के बाद इस्तीफा दे सकते हैं। विजयेंद्र का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सिद्धारमैया मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में आरोपों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है। विजयेंद्र ने कहा कि राज्य में हालात ऐसे हैं कि सीएम हर रोज मीडिया के सामने यह कह रहे हैं कि वह सीएम बने रहेंगे लेकिन वह इतने बुरे हालात में हैं कि यह तय है कि वह इस्तीफा देंगे। जैसे ही हमारी पदयात्रा खत्म हुई, उल्टी गिनती शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के मुताबिक कांग्रेस आलाकमान दिल्ली में सीएम सिद्धारमैया के इस्तीफे को लेकर गंभीरता से विचार कर रहा है। सिद्धारमैया पर आरोप है कि उन्होंने अपनी पत्नी पार्वती बी.एम. को 14 भूखंडों का आवंटन किया, जिसमें कथित अनियमितताएं हैं। इसी संदर्भ में लोकायुक्त और ईडी जांच चल रही है। इस बीच जनता दल (सेक्युलर) के नेता और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के अंतिम दिन निकट हैं और अगले चुनाव के लिए 2028 तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस के अपने कुकर्मों के कारण चुनाव पहले भी हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को इस सरकार को हटाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कांग्रेस के भीतर ही सीएम बनने की होड़ लगी है। कुमारस्वामी ने साफ कहा कि उनके पापों का घड़ा भर चुका है, और उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति में अस्थिरता बनी हुई है, जिससे यह साफ होता है कि आने वाले दिनों में और ज्यादा घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

नक्सलवाद से जुड़े सभी युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आएं

-अमित शाह ने नक्सली कार्रवाई पर छग सीएम, गृहमंत्री को दी बधाई

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में सुरक्षा और विकास की समीक्षा के लिए बैठक में कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के सीएम, गृह मंत्री, डीजीपी और पूरी टीम को बधाई देता हूं क्योंकि उन्होंने जनवरी से अब तक 194 नक्सली को मार गिराया है। 801 नक्सली गिरफ्तार और 742 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि मैं नक्सलवाद से जुड़े सभी युवाओं से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने की अपील करता हूं। उन्होंने फिर दोहराया कि 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत, 2004 से 2014 तक इस योजना पर 1180 करोड़ रुपए खर्च किए गए जबकि 2014-2024 तक हमने 3006 करोड़ रुपए खर्च किए। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत हमने पिछले दस सालों में 3590 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

पिछले 10 सालों में 544 सुदृढ़ पुलिस स्टेशन बनाए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सड़क नेटवर्क 2090 किमी था, 10 सालों में सड़क नेटवर्क बढ़कर 11,500 किमी हो गया है। पिछले दस सालों में 15,300 मोबाइल टावर लगाए गए हैं और उनमें से 5139 टावरों को 4जी कनेक्शन दिए गए हैं। शाह ने आगे कहा कि हिंसा की घटनाएं 16,463 से घटकर 7700 हो गई हैं और अगले साल तक यह संख्या और कम हो जाएगी। नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में 70 फीसदी की कमी आई है।

हिंसा की रिपोर्ट करने वाले जिलों की संख्या 96 से घटकर 42 हो गई है। पुलिस स्टेशनों की संख्या 465 से घटकर 171 है जिनमें से 50 पुलिस स्टेशन नए हैं यानी केवल 120 पुलिस स्टेशन हिंसा की रिपोर्ट कर रहे हैं। यह केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयास का नतीजा है।

किसी परमाणु बम से कम नहीं है एआई: जयशंकर

नई दिल्ली। देश,दुनिया में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विस्तार तेज गति से हो रहा है। आने वाले दस साल में यह तकनीक वैश्विक स्तर पर गहरा प्रभाव डालेगी। नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ और वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में जयशंकर ने कहा कि एआई का विस्तार आने वाले समय में काफी बढ़ने वाला है, और देशों को इसके संभावित प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए एआई कुछ इतना खतरनाक होगा, जितना एक समय पर परमाणु बम थे। उन्होंने मध्य पूर्व के देशों में चल रहे संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान में लड़ाइयां आर्थिक गलियारों, भूमि और समुद्र के लिए हो रही हैं, लेकिन भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण भी संघर्ष हो सकते हैं। जयशंकर का यह बयान एआई की तेजी से बढ़ती भूमिका और इसके संभावित खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने वैश्विक समुदाय से इस तकनीक के प्रभावों का गंभीरता से विश्लेषण करने का आग्रह किया है।जयशंकर ने वैश्वीकरण पर सामाजिक और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि पिछले दशक में यह प्रतिक्रिया तेजी से बढ़ी है। उन्होंने उल्लेख किया कि वैश्वीकरण की वास्तविकताएं अक्सर संरक्षणवाद के साथ टकराती हैं।

नवरात्रों के दौरान अब तक 1.76 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए

कटड़ा। माता के भक्तों का तांता बैष्णव धाम में लगा हुआ है। यहां अब पौने दो लाख से ज्यादा भक्तों ने माता के दर्शन किए है। पहले दिन नवरात्र पर 44,800, दूसरे नवरात्र पर 37,700, तीसरे नवरात्र पर 47,500 मैं वैष्णो देवी दरबार पर नमन किया था। तो वहीं रविवार को चौथे दिन 46,092 श्रद्धालुओं ने यात्रा पंजीकरण कक्ष से आरएफआईडी कार्ड हासिल कर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। आंकड़े बताते हैं कि पहले चार नवरात्रों के दौरान अब तक 1.76 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी भवन पर माता रानी की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार नवरात्रों के दौरान करीब चार लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी दरबार पर नमन करेंगे।पंजीकरण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को उमड़ी भीड़ के चलते जहां पंजीकरण कक्ष को निर्धारित समय से एक घंटा पहले बंद करना पड़ा था। वहीं रविवार को सुबह 4:00 बजे ही पंजीकरण कक्ष को खोल दिया गया। इसके बाद से रात कटड़ा रुके श्रद्धालु यात्रा आरएफआईडी कार्ड हासिल कर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान करते नजर आए।

नदी तट पर बरामद हुई 120 करोड़ की कोकीन

गांधीधाम । गुजरात के कच्छ जिले के गांधीधाम शहर के पास नदी क्षेत्र से 12 किलोग्राम कोकीन के दस पैकेट बरामद किए गए हैं। इन पैकेट की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपये है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कच्छ-पूर्व के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चलता है कि तस्करों ने गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए मादक पदार्थ को नदी के किनारे छिपाया। बागमार ने कहा, एक गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार की रात नदी तट क्षेत्र की तलाशी ली और 10 मादक पदार्थों के पैकेट बरामद किए, जिनमें कोकीन थी। ये कोकीन शायद तस्करों ने छिपाई थी। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है। इस साल जून में आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने उसी क्षेत्र में 13 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कीमत 130 करोड़ रुपये थी। पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी नदी के क्षेत्र में एक किलोग्राम के 80 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कुल कीम 800 करोड़ रुपये थी।

महाराष्ट्र में बीजेपी को झटका, हर्षवर्द्धन ने छोड़ी पार्टी, शरद पवार से मिलाया हाथ

-एनसीपी (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से लड़ सकते हैं चुनाव

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की बीजेपी इकाई को बड़ा झटका लगा है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता हर्षवर्द्धन पाटिल सोमवार को बीजेपी छोड़कर शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी गुट में शामिल हो गए। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने उनका स्वागत किया। उन्होंने एनसीपी (सपा) के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली। गौरतलब है कि बीजेपी के एक प्रमुख नेता पाटिल ने सबसे पहले इंदापुर विधानसभा सीट पर पार्टी के साथ मतभेद के बाद एनसीपी (सपा) में प्रवेश की पुष्टि की थी, जो वर्तमान में अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को आवंटित की गई है। इससे पहले शरद पवार खेमे में शामिल होने के बारे में मीडिया को अपने फैसले के बारे में पाटिल ने कहा कि उनके समर्थक चाहते हैं कि वह विधानसभा चुनाव लड़ें। उन्होंने मुझसे कहा कि चूंकि मेरे समर्थक चाहते हैं कि मैं इंदापुर से चुनाव लड़ूं, इसलिए मुझे फैसला करना चाहिए। मैंने उनसे बात की और फिर पार्टी में शामिल होने का फैसले लिया। गौरतलब है कि पाटिल एनसीपी (सपा) के टिकट पर अपने गृह क्षेत्र इंदापुर से चुनाव लड़ सकते हैं। उनका मुकाबला एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और वर्तमान विधायक दत्तात्रेय भरणे से हो सकता है। पाटिल इंदापुर निर्वाचन क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी पर कड़ा रुख नहीं अपनाने के कारण बीजेपी से नाराज थे, उन्होंने पहले 1995, 1999 और 2004 में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में सीट जीती थी। बाद में 2009 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर इस सीट से जीत हासिल की। 2019 में वह बीजेपी में शामिल हो गए और एनसीपी उम्मीदवार भरणे से हार गए थे।

त्रिशूलिया घाट के निकट बस पलटने से 6 लोगों की मौत, 35 से ज्यादा यात्री घायल

बनासकांठा । शक्तिपीठ अंबाजी के निकट त्रिशूलिया घाट पर फिर एक बार दुर्घटना हुई है। त्रिशूलिया घाट के निकट यात्रियों से भरी बस पलट गई। इस घटना में 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद एंबुलेंस समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिला स्थित विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी से यात्रियों को लेकर एक बस दांता की ओर जा रही थी। रास्ते में त्रिशूलिया के निकट बस अचानक पलटी खा गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस 108 को हादसे की सूचना दी। खबर मिलते ही पालनपुर, दांता, अंबाजी से एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जानकारी है कि इस हादसे में 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 35 जितने यात्रियों के घायल होने की खबर है। हादसे के शिकार मृतक और घायल खेडा जिले के कठलाल निवासी होने का पता चला है। हादसे के बाद एसपी और डीवायएसपी समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गया और आगे की कार्यवाही शुरू की। त्रिशूलिया घाट के मोड पर बस चालक के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा देने से हादसा होने की आशंका है।

नई तकनीकों पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर, बोले- आज हम युद्ध और इसकी संभावनाओं के बीच जी रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को 'डिफकनेक्ट 4.0' के आयोजन का उद्घाटण किया। इसमें सशस्त्र बल, रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, नवोन्मेषक और नीति निर्माता स्वदेशी नवाचार को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां हम दुनिया को वैश्विक गाँव कहकर संबोधित करते हैं। जहां हमें यह लगता है कि लोगों के बीच की दूरियां अब कम हुई हैं। कहने को तो हम सूचान प्रौद्योगिकी के युग में रह रहे हैं, जहां हजार किलोमीटर दूर बैठे किसी व्यक्ति की सूचना हमारे पास सेकंड में पहुंच जाती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम विभिन्न प्रकार के युद्धों और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं। इन युद्धों में लगातार नई तकनीकों को शामिल किया जा रहा है। इनमें न केवल पारंपरिक हथियारों और गोला-बारूद का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि कई प्रकार के दोहरे उपयोग, या यहां तक ??कि पूरी तरह से नागरिक वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है। उन्हें हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें इस प्रकार के तकनीकी अनुप्रयोगों को गहराई से समझना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम अपनी रक्षा के लिए इन तकनीकों का कल्पनाशील उपयोग कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यहां, मैं केवल अन्य युद्धग्रस्त दलों के अनुप्रयोगों की नकल के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। इससे आगे बढ़ते हुए मैं आपका ध्यान उन सिस्टम या एप्लीकेशन की ओर आकर्षित करना चाहूंगा जो नये हैं और हमारे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक द्बष्ठश्वङ्ग ष्ठद्धस्ट, अथवा इस तरह की योजना में, हम आपको अलग-अलग चुनौती देते हैं, और आप इसका समाधान देते हैं। ज़ाहिर है ये समाधान, आपको दिए गए चुनौती पर निर्भर होते हैं, और इसलिए विशिष्ट होते हैं। पर मैं चाहता हूँ, कि आप सभी इन समाधान से आगे बढ़ते हुए, ऐसी प्रौद्योगिकियाँ, जैसे नवाचार ले आएँ जो अब तक की आवश्यकताएं से भी कहीं आगे की चीज़ हों, और वे हमारे रक्षा और सेवाएँ की जरूरत बन जाएँ।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब ऐसा होने लगेगा, तो मैं समझता हूँ यह मंच एक दोतरफा संवाद का मंच बन जाएगा और हम और अधिक सफलतरीके से सामने आएँगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता जैसा बड़ा काम केवल अकेले सरकार अपने दम पर नहीं कर सकती। बल्कि इसके लिए हमें इससे जुड़े हुए सभी हितधारक का साथ जरूरी है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आप सब अब तक सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चले हैं। साथ ही मुझे यह विश्वास भी है कि आगे भी हम सब का यह कनेक्शन और मजबूत होता जाएगा और हम सब मिलकर भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को दुनिया में सबसे मज़बूत और सबसे अधिक आधुनिक बनाएँगे।

जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जनगणना में 'विलंब' को लेकर सोमवार को सवाल किया और कहा कि जाति आधारित जनगणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में पूरी तरह से सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'राजनीतिक परिवर्तन और आर्थिक उथल-पुथल के बीच श्रीलंका ने अभी घोषणा की है कि ताजा जनसंख्या एवं आवास जनगणना आज से शुरू होगी। वहां पिछली बार 2012 में जनगणना हुई थी।' उन्होंने कहा, 'भारत में इसे लेकर क्या हो रहा है? दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी लेकिन अब भी इसके होने के कोई संकेत नहीं हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम अब भी 2011 की जनगणना से प्राप्त आंकड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस वजह से 10 करोड़ से अधिक भारतीयों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 यानी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि जनगणना में जाति के प्रश्नों को जोड़ने को लेकर सरकार का क्या विचार है, जैसा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य सभी राजनीतिक दलों द्वारा मांग की जा रही है। रमेश ने कहा, 'अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की विस्तृत गणना 1951 से हर 10 साल में होती रही है। अब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अन्य जातियों की भी ऐसी ही विस्तृत गणना की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना के माध्यम से ही शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में पूरी तरह से सार्थक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। रमेश ने कहा, '''नॉन-बायोलॉजिकल' प्रधानमंत्री जनगणना में देरी क्यों कर रहे हैं, जिसमें जाति आधारित गणना भी होगी?''

नक्सलवाद से जुड़े सभी युवा हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आएं

-अमित शाह ने नक्सली कार्रवाई पर छग सीएम, गृहमंत्री को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में सुरक्षा और विकास की समीक्षा के लिए बैठक में कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के सीएम, गृह मंत्री, डीजीपी और पूरी टीम को बधाई देता हूं क्योंकि उन्होंने जनवरी से अब तक 194 नक्सली को मार गिराया है। 801 नक्सली गिरफ्तार और 742 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि मैं नक्सलवाद से जुड़े सभी युवाओं से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने की अपील करता हूं। उन्होंने फिर दोहराया कि 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे।

शाह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत, 2004 से 2014 तक इस योजना पर 1180 करोड़ रुपए खर्च किए गए जबकि 2014-2024 तक हमने 3006 करोड़ रुपए खर्च किए। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत हमने पिछले दस सालों में 3590 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 10 सालों में 544 सुदृढ़ पुलिस स्टेशन बनाए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सड़क नेटवर्क 2090 किमी था, 10 सालों में सड़क नेटवर्क बढ़कर 11,500 किमी हो गया है। पिछले दस सालों में 15,300 मोबाइल टावर लगाए गए हैं और उनमें से 5139 टावरों को 4जी कनेक्शन दिए गए हैं।

शाह ने आगे कहा कि हिंसा की घटनाएं 16,463 से घटकर 7700 हो गई हैं और अगले साल तक यह संख्या और कम हो जाएगी। नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में 70 फीसदी की कमी आई है। हिंसा की रिपोर्ट करने वाले जिलों की संख्या 96 से घटकर 42 हो गई है। पुलिस स्टेशनों की संख्या 465 से घटकर 171 है जिनमें से 50 पुलिस स्टेशन नए हैं यानी केवल 120 पुलिस स्टेशन हिंसा की रिपोर्ट कर रहे हैं। यह केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयास का नतीजा है।

खड़गे का आरोप, मोदी अर्थशास्त्र... अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना की है, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी अर्थशास्त्र को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप करार दिया। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी के पुराने भाषण उनकी विफलताओं को छिपा नहीं सकते और इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है।

खड़गे ने यूपीए और एनडीए के बीच निर्यात वृद्धि की तुलना की। उन्होंने बताया कि 2013-14 से 2022-23 तक घरेलू देनदारियों में 241 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और घरेलू ऋण का जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 40 प्रतिशत का स्तर अब तक का उच्चतम है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों की खपत महामारी के बाद उनकी आय से अधिक हो गई है, सितंबर 2024 में घर में बनी सब्जी की थाली की कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खड़गे ने मेक इन इंडिया की विफलता का जिक्र कर कहा कि कांग्रेस-यूपीए के दौरान भारत के बढ़ते निर्यात के लाभों को मोदी की नीतियों ने त्याग दिया। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र की औसत वृद्धि दर में गिरावट का भी उल्लेख किया, यह बताकर कि 2014-15 से 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर सिर्फ 3.1 प्रतिशत रही, जबकि 2004-05 से 2013-14 के बीच यह 7.85 प्रतिशत थी। इसके अलावा, विनिर्माण में कार्यरत श्रमिकों का हिस्सा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से घटकर 11.4 प्रतिशत (2023-24) हो गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सूरत के हीरा कारीगरों की कठिनाइयों का जिक्र किया, जहां श्रमिकों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती की गई है और प्रमुख हीरा इकाइयों को केवल सप्ताह में 4 दिन संचालित होने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में 60 से अधिक हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में मनरेगा के तहत काम की मांग घटकर सिर्फ 1.6 करोड़ रह गई है, जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे कम मासिक मांग है। खड़गे ने कहा, मोदी अर्थशास्त्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अभिशाप है!

बिहार को अब प्रशांत किशोर बनाना चाहते हैं नई राजनीति की प्रयोगशाला

नई दिल्ली (एजेंसी)।बिहार बदलाव का मंच बनता जा रहा है। देश की आजादी के लिए महात्मा गांधी ने बिहार के चंपारण की धरती को ही चुना, जिसकी गूंज कुछ ही दिनों में देश भर में होने लगी। व्यवस्था परिवर्तन के आह्वान के साथ जय प्रकाश नारायण ने बिहार से 1974 में शंखनाद किया। परिणाम सबको पता है। 1977 में आजादी के वक्त से ही देश की सत्ता में सिरमौर बने नेहरू परिवार की बेटी इंदिरा गांधी का लोकसभा चुनाव में सफाया हो गया था। ये तो पुरानी बातें हो गईं। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज के संबंध में इसे अभी परखा जाना है। बिहार में सभी अच्छे कामों की ही शुरुआत हुई हो, ऐसा नहीं है। देश की राजनीति में हलचल मचाने वाली कास्ट पॉलिटिक्स की भी जननी बिहार ही है। पीएम रहते विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जब पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए बीपी मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कीं तो इसका सबसे अधिक प्रभाव बिहार में ही पड़ा। सामाजिक तौर पर मार-काट तो मची ही, राजनीति की धारा भी बदल गई। जातिवादी धारा की राजनीति शुरू हुई। नई राजनीति के ध्वजवाहक बने लालू प्रसाद यादव। इसका लाभ भी उन्हें मिला और लगातार 15 साल बिहार की कमान उनके और उनकी पत्नी के हाथ रही। यह धारा अब भी बरकरार है, जिसे ध्वस्त कर नई धारा की राजनीति शुरू करने का श्रीगणेश किया है प्रशांत किशोर ने। अब सवाल यही है कि क्या प्रशांत किशोर बिहार को राजनीति की प्रयोगशाला बनाने जा रहे हैं।

ग्लोबल पॉप स्टार पूर्वा मंत्री अंकलेश्वर में आयोजित नवरात्रि महोत्सव में गरबा और बॉलीवुड हिट्स के साथ मचाएंगी धूम

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर पॉपस्टार, गायिका और गीतकार, पूर्वा मंत्री इस बार गुजरात के अंकलेश्वर में आयोजित भारत के सबसे बड़े नवरात्रि आयोजनों में से एक गरबा महोत्सव में धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में अमेरिका में "पुरवास्टिक टूर 2024" से लौटने के बाद, पूर्वा गुजराती लोक संगीत और बॉलीवुड हिट के अपने 'गुजराती फोक फ्यूजन' से दर्शकों को झूमने को मजबूर कर देंगी।

पूर्वा मंत्री ने 30 से अधिक देशों में स्टेज शो करके भारतीय संगीत और संस्कृति का परचम पूरी दुनिया में फैलाया है। उनके ऑन ग्राउंड पर ऊर्जावान प्रदर्शन ने दुनिया भर के प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। जबकि डिजिटल स्पेस यानी सोशल मीडिया में उनका स्टारडम लगातार बढ़ रहा है - YouTube, Spotify और Instagram पर दस लाख से अधिक फॉलोअर्स के साथ - पूर्वा लगातार अपने फैंस का मनोरंजन करती रहती हैं। उनकी नवीनतम रिलीज़ 'रूम झूम' और 'रसियो रूपालो' आधुनिक 'गुजराती फोक सोंग्स' हैं। भारतीय संगीत के वैश्विक एंबेसेडर के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई और चहुओर प्रशंसा प्राप्त की है। उनके पॉप हिट्स में 'काला शा काला', 'रांज़ान वें', 'द पापा सॉन्ग' और उल्ज़ी जैसे चार्ट-टॉपर्स शामिल हैं। इन गानों में उनके लाइव परफार्मेंस ने उन्हें प्रशंसकों से एक अनोखा हैशटैग #Pur-vastic अर्जित कराया है। सोनू निगम, राहत फ़तेह अली खान और बप्पी लहरी जैसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं के साथ उनके जुड़ाव ने पूर्वा को बहुमुखी बना दिया है और एक कलाकार के रूप में ख्याति दिलाई है।

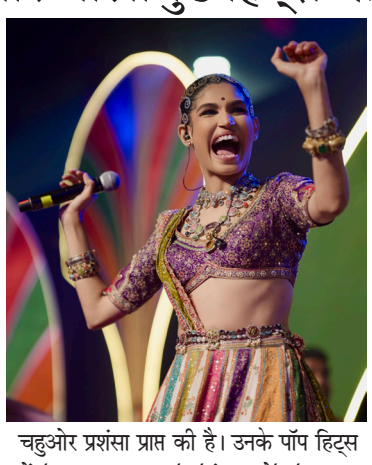

पूर्वा ने मुंबई, न्यूयॉर्क और कई अन्य प्रमुख शहरों में परफॉर्मेंस किया है और अब वह अपनी अनूठी एनर्जी के साथ अंकलेश्वर में आयोजित प्रसिद्ध नवरात्रि उत्सव में खेलैयाओ को झुमाने के लिए तैयार है।

अंकलेश्वर में आयोजित नवरात्रि के बारे में पूर्वा ने कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बहुत ही सफल पूर्वास्टिक दौरे के बाद मैं सातवें आसमान पर हूं। गार्डन सिटी अंकलेश्वर में गरबा गाने के लिए उत्साहित हूं। यह गुजरात में सबसे बड़ा नवरात्रि उत्सव है। मैं यहां परफार्मेंस करने के लिए उत्सुक हूं। यहां पारंपरिक लोक गरबा पेश करना खुशी की बात है क्योंकि गुजरात में कलाकारों को जो प्रतिसाद मिलता है वह कहीं और नहीं मिलता।"पूर्वा मंत्री की नवरात्रि प्रस्तुतियाँ हजारों प्रशंसकों को आकर्षित करती हैं। पूर्वा जिस ऊर्जा से गरबा बिखेरती है वह अद्वितीय है।

पूर्वा मंत्री भारत के स्वतंत्र संगीत क्षेत्र के अग्रणी कलाकार हैं। उन्होंने 2023 में वेडिंगसूत्र के 'बेस्ट सिंगर एंड परफॉर्मर अवॉर्ड' और 2022 में WOW अवार्ड्स एशिया में "लाइव कोशिएंट अवॉर्ड जैसे सम्मान अपने नाम किए हैं और देश के टॉप परफॉर्मर्स में अपना नाम शामिल किया है।

सीएम सिद्धारमैया का बड़ा दांव, 18 अक्टूबर को कैबिनेट में पेश कर सकते हैं जाति जनगणना रिपोर्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट में आखिरकार कुछ गति देखने को मिल सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को घोषणा की कि वह इसे 18 अक्टूबर को कैबिनेट के सामने ला सकते हैं, क्योंकि उन पर ओबीसी समुदायों के विधायकों का भारी दबाव था और उन्होंने उनसे ऐसा करने का आग्रह किया था। इससे पहले दिन में, सीएम ने विधान सौध में मंत्रियों, विधायकों और ओबीसी समुदायों के नेताओं के साथ बैठक की। सीएम ने मीडियाकर्मियों से कहा, ये नेता अपनी पार्टी लाइनों से ऊपर उठे और रिपोर्ट को लागू करना चाहते थे। प्रमुख समुदायों की ओर से आ रहे विरोध पर सीएम ने कहा कि वह कैबिनेट की सलाह मानेंगे।

राज्य के स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग ने लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले फरवरी में 13-खंड की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रिपोर्ट सीएम को सौंपी थी। हालाँकि, सरकार ने रिपोर्ट की सामग्री को गुप्त रखा है। सीएम ने कहा कि उन्होंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है। एच कंथाराजू आयोग ने सीएम के रूप में अपने पहले कार्यकाल (2013-2018) के दौरान घरों का दौरा करके सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट तब तैयार हुई जब एचडी कुमारस्वामी सीएम थे। हालाँकि, एचडीके इस रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुई और ऐसा ही बाद की भाजपा सरकार ने भी किया।

विपक्षी दलों समेत 30 विधायकों ने बैठक कर रिपोर्ट लागू करने की मांग की है। यह सर्वेक्षण सिर्फ ओबीसी समुदायों की जनगणना नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा, यह सात करोड़ कन्नडिगाओं का एक व्यापक सर्वेक्षण है, और कर्नाटक इस तरह का सर्वेक्षण करने वाला पहला राज्य था। बिहार सरकार द्वारा पिछले साल अक्टूबर में जातियों का सर्वेक्षण जारी करने के बाद सिद्धारमैया शासन पर रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का दबाव था, जिसके अनुसार ओबीसी और अत्यंत पिछड़ा वर्ग राज्य की आबादी का 63प्र. से अधिक हिस्सा बनाते हैं।

राज्य के सबसे बड़े समुदाय वीरशैव-लिंगायत और वोक्कालिगा जाति जनगणना रिपोर्ट पर किसी भी कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं क्योंकि इन समुदायों को चिंता है कि अगर रिपोर्ट पर असर पड़ा तो वे अवसर और राजनीतिक ताकत खो देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले साल दिसंबर में राज्यसभा में कहा था कि जाति जनगणना के विरोध में सभी ऊंची जातियां एकजुट हैं, जिनमें उनकी अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ-साथ भाजपा के लोग भी शामिल हैं। वीरशैव महासभा और वोक्कालिगरा संघ दोनों के साथ-साथ कई कांग्रेस विधायकों ने सर्वेक्षण के निष्कर्षों का विरोध किया है।

बिहार में डिप्टी सीएम के बंगले पर सियासत, बीजेपी का आरोप, सरकारी आवास से बेड, बेसिन, 20 एसी और टोंटी उखाड़ ले गए तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके लोगों ने सरकारी बंगला खाली करने से पहले उसमें से बिस्तर और सोफे, वॉश बेसिन और पानी के नल सहित फर्नीचर गायब कर लिए। यह घटनाक्रम मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उस आवास में स्थानांतरित होने की पृष्ठभूमि में आया है, जो पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के पास था। सम्राट चौधरी को हाल ही में पटना में 5 देशरत्न रोड पर बंगला आवंटित किया गया था और वह विजयादशमी के शुभ अवसर पर इसमें रहने वाले हैं।

मंत्री और भाजपा नेता डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बंगला खाली होने पर सरकारी सामान वहीं रह जाता है। उसे हटाना गलत है और अगर ऐसा किया गया है तो सरकार इसे देखेगी। सम्राट चौधरी के सरकारी आवास में शिफ्ट होने से पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। तेजस्वी यादव पर सरकारी बंगले में पानी के नल और लाइट समेत जरूरी सामान लूटने का आरोप लगा है। सम्राट चौधरी के निजी सचिव शत्रुघ्न प्रसाद ने बताया कि हम सामने ला रहे हैं कि कैसे डिप्टी सीएम के घर से सामान लूटा गया है। जब सुशील मोदी इस घर में शिफ्ट हुए थे, तो वहां दो हाइड्रोलिक बेड थे, मेहमानों के लिए सोफा सेट थे और यह प्रेस सहित हर जगह देखने के लिए था। वे सभी चीजें गायब हैं।

उन्होंने दावा किया कि 20 से अधिक स्प्लिट एसी गायब हैं। ऑपरेशन रूम में कोई कंप्यूटर या कुर्सी नहीं है। किचन में कोई फ्रिज या आरओ नहीं है। दीवारों से लाइटें गायब हैं। बिहार भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल, जिन्होंने परिसर का निरीक्षण भी किया, ने कहा, ÷सम्राट चौधरी को यह बंगला आवंटित किया गया है और उन्हें नवरात्रि में इस घर में स्थानांतरित होना था। वॉश बेसिन, पानी के नल और फर्नीचर जैसी आवश्यक चीजें गायब हैं। हाइड्रोलिक बिस्तर हटा दिया गया है। बैडमिंटन कोर्ट में चटाई हटा दी गई है। जिम खाली है, कोई व्यायाम मशीनें नहीं हैं।'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने भी भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि यह पहले से ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेजस्वी ने अपने पद से हटने के इतने लंबे समय बाद सरकारी बंगला खाली कर दिया। इस बीच, राजद ने आरोपों का खंडन किया, क्योंकि पार्टी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया कि भाजपा तुच्छ राजनीति में शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश सेना प्रमुख बोले- हिंदुओं को देंगे पूर्ण सुरक्षा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान ने शनिवार को हिंदू समुदाय को दुर्गा पूजा से पहले सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया है। ढाका में ढाकेश्वरी मंदिर में दुर्गा पूजा समारोह के लिए सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने पहुंचे जमान ने सभी हिंदुओं को शुभकामनाएं दीं। जमान ने मेट्रोपॉलिटन पूजा समिति व बांग्लादेश पूजा समारोह परिषद के अध्यक्ष सहित प्रमुख हितधारकों संग चर्चा की। उन्होंने कहा, अंतरिम सरकार के निर्देशों के अनुसार पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए देश भर के जिलों में सेना तैनात की गई है।

पश्चिम एशिया में भारत संभाल सकता है हालात : लेबनान

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में आशांति के बीच लेबनान ने कहा कि भारत हालात को संभालने में बेहद अहम भूमिका अदा कर सकता है। भारत में लेबनान के राजदूत डॉ रैबी नर्श ने ऐसे समय में यह उम्मीद जताई है जबकि लेबनान इस्राइली हमले का सामना कर रहा है और क्षेत्र में भारी तनाव है। लेबनानी राजदूत ने किसी का नाम लिए बिना कहा, हमने भारत सरकार में अपने दोस्त से इस्राइली सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया है, ताकि संघर्ष समाप्त हो। हमने उनसे कहा, हम इस्राइल से अच्छे संबंध चाहते हैं और यह संघर्ष खत्म करना चाहते हैं। रैबी नर्श ने यह भी कहा कि भारत जल्द ही लेबनान में चिकित्सा व मानवीय मदद भेजेगा। उन्होंने कहा, लेबनान में हालात बेहद खराब हैं और उनकी सरकार 2006 में पारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव को लागू करने के लिए तैयार है, जिसके मुताबिक इस्राइल व हिजबुल्ला में शत्रुता खत्म की जा सकती है। शुक्रवार को ईरान के राजदूत ने भी कहा था, भारत इस्राइल को मनाकर गाजा में हमले रुकवा सकता है।

मंगोलिया में इस बार कड़ाके की ठंड की संभावना

उलानबटोर, एजेंसी। मंगोलिया में इस बार सर्दी के मौसम में ठंड बढ़ने का अनुमान है। मौसम निगरानी एजेंसी ने कहा कि मंगोलिया के अधिकांश क्षेत्रों में इस बार सर्दियों के महीनों में कम तापमान और अधिक वर्षा होने की संभावना है। एजेंसी ने वहां के लोगों और बेघर लोगों से विशेष व्यवस्था करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी के अनुसार, इस बार सर्दियों के दौरान मंगोलिया के अधिकांश हिस्सों में लंबे समय तक अधिक ठंडा तापमान रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि मंगोलिया को पिछली सर्दियों में कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा था। पिछली सर्दियों में देश में रिकॉर्डतोड़ बर्फबारी हुई थी। यह 1975 के बाद सबसे अधि?क बर्फबारी थी। इसके कारण करीब 90 फीसद इलाके में 100 सेंटीमीटर मोटी बर्फ जम गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, पिछली सर्दियों में खराब मौसम की वजह से इस एशियाई देश में 7,949,400 पशुओं की मौत हो गई, जो मंगोलिया की कुल पशुओं की आबादी का 10 प्रतिशत से अधिक है। उल्लेखनीय है मंगोलिया की जलवायु महाद्वीपीय प्रभाव वाली है। यहां लंबे समय तक कड़ाके की ठंड पड़ती है और गर्मियां छोटी होती हैं। सर्दियों के दौरान माइनस 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास का तापमान सामान्य माना जाता है।

शक्ति प्रदर्शन - दो अमेरिकी बी-1बी बमवर्षकों ने दक्षिण कोरियाई वायु सेना के साथ किया संयुक्त अभ्यास

सोल, एजेंसी। अमेरिका के दो बी-1बी भारी बमवर्षकों ने सशस्त्र सेना दिवस पर दक्षिण कोरियाई वायु सेना के साथ संयुक्त अभ्यास किया। इनमें से एक ने राष्ट्रीय समारोह में भी भाग लिया। यह जानकारी अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान ने शनिवार को दी। सशस्त्र सेना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान, एक अमेरिकी बी-1बी बमवर्षक विमान ने राजधानी के दक्षिण में सियोल एयर बेस के ऊपर दो एफ-15के जेट प्लेन के साथ उड़ान भरी। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक यह उड़ान दक्षिण कोरिया के प्रति अमेरिकी सुरक्षा प्रतिबद्धता का प्रदर्शन थी। यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के अनुसार, दो यूएस बी-1बी बमवर्षकों ने 1 अक्टूबर की सुबह गैंगवॉन प्रांत के पिलसुंग रेंज में दक्षिण कोरियाई वायु सेना के दो एफ-15के जेट के साथ उड़ान भरी। इसके बाद एक जेट ने समारोह के लिए सेओंगनाम तरफ भी उड़ान भरी। बता दें उत्तर कोरिया सोल और वाशिंगटन के संयुक्त अभ्यास का विरोध करता रहा है। वह इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताता है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक योल को असामान्य व्यक्ति और कठपुतली करार दिया। किम ने कहा, कठपुतली यूं ने परमाणु हथियार संपन्न देश के सामने अपनी सैन्य ताकत का बखान किया। यह एक ऐसी बात है, जिसके कारण उनके असामान्य होने का शक पैदा हुआ। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम ने कहा कि यूं के भाषण ने कठपुतली ताकतों की सुरक्षा संबंधी बेचैनी और परेशान करने वाले मनोविज्ञान को दर्शाया। उत्तर कोरिया के तानाशाह ने कहा कि यूं का बयान इस तथ्य का कबूलनामा है कि कोई और नहीं बल्कि दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका ही क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति को नष्ट कर रहे हैं। किम दरअसल यूं के मंगलवार को सशस्त्र सेना दिवस समारोह में दिए एक बयान से बेहद खफा हैं। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा था कि यदि प्योंगयांग परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा।

चुनावी रैली में डांस करने लगे एलन मस्क, बोले- संविधान बचाना है तो डोनाल्ड ट्रंप को जीतना होगा, ट्रंप, बोले- हार नहीं मानूंगा

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के बटलर में खचाखच भरी चुनावी रैली में एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ मंच साझा किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के लिए समर्थन मांगा। साथ ही, भीड़ के जयकारों के बीच वह डांस करते भी नजर आए। मस्क ने पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहनी थी और कस्टम एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) टोपी लगाए हुए थे। उन्होंने लोगों से रिपब्लिकन उम्मीदवार को वोट देने की अपील की। मंच से मस्क ने कहा, यूएस में संविधान और लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का जीतना जरूरी है। टेस्ला के सीईओ ने यह बयान उस जगह पर दिया जहां ट्रंप की हत्या के प्रयास में गोली चलाई गई थी। मस्क इस मौके पर आगामी चुनाव से पहले मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास करते नजर आए।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले भीड़ को संबोधित किया। अपना भाषण समाप्त करने के बाद उन्होंने मंच पर एलन मस्क का स्वागत किया। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए टेस्ला के मालिक ने कहा, संविधान की रक्षा के लिए ट्रंप को जीतना होगा। अमेरिका में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए ट्रंप को जीतना होगा। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित उनके उम्मीदवारों पर कटाक्ष भी किए। मस्क इस दौरान काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, वोट! वोट! वोट! फाइट! फाइट! फाइट!

ऐसे राष्ट्रपति हैं जो सीढ़ियां नहीं चढ़ सकते, मस्क का तंज : राष्ट्रपति जो बाइडेन पर कटाक्ष करते हुए एलन मस्क ने कहा, हमारे पास ऐसे राष्ट्रपति हैं जो सीढ़ियां नहीं चढ़ सकते हैं। दूसरे तो गोली लगने के बाद भी मजबूती से मुट्ठी बांधे नजर आए। काले रंग की मागा टोपी पहने हुए स्पेस एक्स के सीईओ ने मजाक में कहा कि मैं सिर्फ एमएजीए नहीं हूं, मैं डार्क एमएजीए हूं। दूसरी ओर, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा 10 अक्टूबर से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए प्रचार कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शुरू करेंगे। ओबामा चुनाव के दिन हैरिस को उनके अभियान में मदद करेंगे। उनके भाषणों की योजना प्रमुख राज्यों में बनाई गई है, जिनमें से पहला पेंसिल्वेनिया होगा। मालू हो कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस करेंगी। रिपब्लिकन पार्टी की ओर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ताल ठोंक रहे हैं।

जहां लगी थी गोली, उस जगह पर फिर पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप : अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे डोनाल्ड ट्रंप कल उस जगह पर फिर पहुंचे जहां उन्हें गोली मारी गई थी। यहां से उन्होंने हुंकार भरी। यह देख उनके समर्थक खुशी से झूम उठे। पेंसिल्वेनिया के बटलर फार्म शो ग्राउंड पर पहुंचते ही ट्रंप ने कहा, पेंसिल्वेनिया को बहुत-बहुत धन्यवाद। हम पेंसिल्वेनिया से प्यार करते हैं।

उन्होंने कहा, आज रात मैं पेंसिल्वेनिया के लोगों और अमेरिका के लोगों को एक देश देने के लिए त्रासदी और दिल के दर्द के बाद बटलर लौट आया हूं। अमेरिका को फिर से महान बनाने का हमारा आंदोलन पहले से कहीं अधिक मजबूत, गौरवान्वित, अधिक एकजुट, अधिक दृढ़ और जीत के करीब है।

मैं कभी हार नहीं मानूंगा : पूर्व राष्ट्रपति के आने से कुछ घंटे पहले समर्थकों को साइट पर इकट्ठा होते देखा गया। पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि 21,000 लोगों की भीड़ ने ट्रंप का नायक की तरह स्वागत किया। ट्रंप ने मैदान से कहा, मैं कभी हार नहीं मानूंगा। मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं कभी नहीं टूटूंगा। मौत भी सामने हो तो मैं नहीं झुकूंगा। हमने साथ मिलकर लड़ाई लड़ी है। हमने साथ मिलकर सहन किया है। हम साथ-साथ आगे बढ़े हैं। यहीं पेनसिल्वेनिया में हमने साथ-साथ खून बहाया है। ट्रंप ने 13 जुलाई को थॉमस मैथ्यू क्रुक्स द्वारा गोलीबारी किए जाने पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए पहले प्रतिक्रिया देने वालों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ठीक 12 सप्ताह पहले इसी मैदान पर एक निर्दयी हत्यारे ने मुझे और सबसे बड़े आंदोलन को चुप कराने का लक्ष्य रखा था। गोलीबारी के दौरान 16 भयावह सेकंड के लिए समय रुक गया था। लेकिन ईश्वर की कृपा है कि वह खलनायक अपने लक्ष्य में सफल नहीं हुआ। करीब भी नहीं आया। उसने हमारे आंदोलन को नहीं रोका। उसने हमारी भावना को नहीं तोड़ा। रैली में मुख्य अतिथियों में पीड़ित कोरी कॉम्पेरेटोरे का परिवार, जेडी वेंस, एरिक ट्रंप और उनकी पत्नी लारा ट्रंप और एलोन मस्क शामिल थे।

पश्चिमी देशों को नेतन्याहू की दो टूक, आपके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेंगे

येरूशलम, एजेंसी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की जमकर आलोचना की है। मैक्रॉन ने एक रेडियो साक्षात्कार में इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया था और कहा था कि सभी सभ्य देशों को दृढ़ रहना चाहिए। नेतन्याहू ने इसे शर्मनाक करार दिया। सवाल किया कि क्या उनकी तरह ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? नेतन्याहू ने शनिवार को एक वीडियो संदेश में कहा, मैक्रॉन और अन्य पश्चिमी नेता अब इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं, और जोर देकर कहा कि इजरायल उनके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेगा। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, लेकिन युद्ध जीतने के बाद भी उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल आज सभ्यता के दुश्मनों के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, क्या ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके अन्य सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? बिल्कुल नहीं। ये सब साथ खड़े हैं। लेकिन जो देश कथित तौर पर इस आतंकी संगठनों का विरोध करते हैं, वे इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और रॉकेट क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना सीमा के पास लेबनानी समूह की सुरंग प्रणाली को नष्ट कर रही है। हालांकि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन हमने संघर्ष का संतुलन बदल दिया है। लगभग एक महीने पहले, जैसे ही हम गाजा में हमास बटालियनों को नष्ट करने के अंत के करीब पहुंचे, हमने उत्तरी इजरायल के निवासियों से किए गए वादे को पूरा करना शुरू कर दिया। 23 सितंबर से, इजरायली सेना ने पूरे लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिक हताहत हुए हैं।

गोरखा राइफल्स के मेजर जनरल चरणजीत देवगन ने नेपाल सेना प्रमुख से मुलाकात की, सैन्य संबंधों पर चर्चा की

काठमांडू, एजेंसी। गोरखा राइफल्स के रेजिमेंट 3 के मेजर जनरल चरणजीत सिंह देवगन ने शनिवार को नेपाल सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल से मुलाकात। उन्होंने भारत-नेपाल सैन्य संबंधों पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने एक बयान में यह जानकारी दी। दूतावास ने एक बयान में कहा, गोरखा राइफल्स के रेजिमेंट 3 के युद्ध सेवा मेडल (वाईएसएम) से सम्मानित कर्नल मेजर जनरल चरणजीत सिंह देवगन ने नेपाल सेना के सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिग्देल से मुलाकात की और भारत व नेपाल के सैन्य संबंधों पर चर्चा की। देवगन ने अपनी छह दिन दिवसीय आधिकारिक नेपाल यात्रा के तहत सिग्देल से नेपाल सेना के मुख्यालय में मुलाकात की। बैठक में उन्होने सेना के बीच संपर्क को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। बयान के मुताबिक, देवगन ने नेपाल में पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्षा विभाग की टीम ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देवगन 30 सितंबर को नेपाल पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत कर्नल वी. सुब्रमण्यम ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। नेपाल यात्रा के दौरान देवगन ने पोखरा का भी दौरा किया और वहां वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया।

चीनी हैकर्स ने उड़ाए अमेरिका के होश, टेलीकॉम कंपनियों के डेटा में सेंध, जांच में जुटी एफबीआई

वाशिंगटन, एजेंसी। चीनी हैकर्स ने एक नई हिमाकत कर डाली है। इन चीनी हैकर्स ने कई अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों में सेंध लगा दी है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों के अंदर ऐसा किया गया है। अमेरिकी जांचकर्ताओं को संदेह है कि इन हैकर्स ने वायरटेप वारंट रिक्वेस्ट्स की एक्सेस हासिल की है। हालांकि कितना नुकसान हुआ है और कितनी सूचनाएं चोरी हुई हैं, यह अभी जांच का विषय है। हैकर्स ने अमेरिका के बड़े ब्रॉडबैंड और इंटरनेट सर्विसेज को निशाना बनाया है। इसमें एटी एंड टी, वेरिजोन और लूमेन जैसे नाम शामिल हैं। अमेरिकी टेलीकॉम इंडस्ट्री में यह सभी बड़े नाम हैं। वहीं, अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने ऐसी किसी बात से इनकार किया है।

साइबर सेंधमारी की इस खबर ने अमेरिकी अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। हैकर्स ने जिस तरह से सेंधमारी को अंजाम दिया है, उसने राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच साइबर जासूसी के मामलों को लेकर पहले ही काफी तनाव है। ऐसे में यह नई जानकारी सामने आने के बाद अमेरिका की परेशानी और बढ़नी तय है। अमेरिकी दूरसंचार उद्योग देश के इंटरनेट और फोन संचार की रीढ़ है। इसके चलते यह अक्सर सरकारी हैकर्स के निशाने पर रहता है। इन दूरसंचार कंपनियों के पास बड़ी मात्रा में कॉलर और यूजर्स का डेटा होता है। अमेरिकी कानूनी एजेंसियां भी अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा जांच के दौरान इस डेटा का इस्तेमाल करती

हैं। एटी एंड टी और लूमेन ने वर्तमान जांच को लेकर किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार किया है। सीएनएन के मुताबिक वेरिजोन ने भी किसी तरह का जवाब नहीं दिया है। उधर तमाम बड़ी अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां मामले को लेकर जांच में जुटी हुई हैं। इनमें न्याय विभाग और एफबीआई शामिल है। इन सभी ने भी अपने होंठ सिल रखे हैं और किसी तरह का आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वॉशिंगटन डीसी में स्थित चीनी दूतावास ने कहा है कि उनके देश के हैकर इसमें शामिल नहीं हैं। दूतावास के प्रवक्ता लीयू पेंग्यू ने हैकिंग से जुड़े आरोपों को तथ्यहीन बताया। साथ ही अमेरिका पर साइबर सिक्योरिटी के मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। फिलहाल इस मामले की जानकारी अमेरिकी कांग्रेस को भी दी जा चुकी है। दोनों हाउस और सीनेट की कमेटियों को हैकिंग कैंपेन से जुड़ी सभी अपडेट्स मुहैया कराई जा रही हैं। मामले की जांच के लिए साइबर सिक्योरिटी के अहम खिलाड़ियों, माइक्रोसॉफ्ट और मैंडियंट को भी शामिल किया गया है। जांच में मौजूद करीबी सूत्रों ने हैकिंग समूह के बारे में कुछ जानकारियां दी हैं। इसके मुताबिक इस हैकिंग ग्रुप को साइबर सिक्योरिटी की सर्किल में साल्ट टाइफून के रूप में जाना जाता है।

इजरायली सेना ने कहा -ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने से अब तक 440 हिजबुल्लाह आतंकियों का खात्मा कर दिया

येरुशलम, एजेंसी। इजरायली सेना हिजबुल्लाह का खात्मा करने तक रुकने वाली नहीं हैं। इजरायल ने कसम खा ली है कि हिजबुल्लाह आतंकियों का सफाया करके ही मानेगी। आईडीएफ के इस अभियान के दौरान कमांड सेंटर्स को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा हथियारों की धरपकड़ के साथ-साथ टनल्स में भी अभियान चलाया जा रहा है। इजरायली सेना ने कहा है कि ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने से अब तक उसने 440 हिजबुल्लाह आतंकियों का खात्मा कर दिया है। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हेरजी हालेवी ने एक बयान में कहाकि हिजबुल्लाह पर बनाया गया दबाव जारी रहेगा। दुश्मन को और ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए इस दबाव को और ज्यादा बढ़ाया जाएगा। हालेवी ने कहाकि हम उन्हें किसी तरह की कोई राहत नहीं देने वाले हैं। इजरायली सेना ने बताया है कि उसने हिजबुल्लाह के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया है। यह कमांड सेंटर दक्षिणी लेबनान के बिंट जेबिल में था। सेना के मुताबिक इस कमांड सेंटर में आतंकी आईडीएफ और इजरायल के राज्यों पर

आतंकी हमलों की योजना बनाया करते थे। आईडीएफ ने बताया कि इंटेलीजेंस सूचना के आधार पर किया गया ड्रोन हमला बिल्कुल सटीक था। वहीं, हिजबुल्लाह के रॉकेट हमले में उत्तरी अरब गांव में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक इन लोगों को नाहरिया के गैलिली मेडिकल सेंटर में ले जाया गया। इसके अलावा भी कई अन्य जगहों से रॉकेट हमले की सूचना है। कारमील और डेर अल-असल में रॉकेट्स ने अपार्टमेंट और बिल्डिंग्स को भी नुकसान पहुंचाया है। लेबनान की तरफ से हाएफा बे एरिया में भी रॉकेट दागे गए थे। बता दें कि इजरायल ने शनिवार को लेबनान पर हमलों में तेजी लाते हुए बेरुत के दक्षिणी उपनगरों पर 12 हवाई हमले किए। उसने पहली बार उत्तरी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर को भी निशाना बनाया। फिलस्तीनी चरमपंथी समूह ने एक बयान में कहा कि उत्तरी शहर त्रिपोली के पास बेदावी शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में हमास के सैन्य प्रकोष्ठ के एक अधिकारी, उनकी पत्नी और दो बेटियों की मौत हो गई। पिछले साल अक्टूबर में इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल ने लेबनान में हमास के कई अधिकारियों की जान ले ली है।

गाजा की मस्जिद पर सुबह-सुबह इजरायल ने बरसाए बम, 18 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इजरायल के हमले आज भी जारी हैं। रविवार को सुबह-सुबह एक मस्जिद पर हुई भीषण बमबारी में 18 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफा ने इसकी जानकारी दी है। इस हमले में दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। इजरायल का दावा है कि यहां हमास का कमांड सेंटर था। आपको बता दें कि बीते साल 7 अक्तूबर से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। इसकी पहली बरसी से ठीक पहले मध्य गाजा पट्टी के डेर अल-बला में अल-अक्सा अस्पताल के पास मौजूद मस्जिद पर हमला हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि मस्जिद का इस्तेमाल विस्थापित लोगों को रखने के लिए किया जा रहा था। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने हमास के आतंकवादियों पर एक सटीक हमला किया है। वे डेर अल बलाह के क्षेत्र में शुहादा अल-अक्सा मस्जिद के रूप में काम करने वाली एक संरचना में लगे एक कमांड और कंट्रोल सेंटर के भीतर काम कर रहे थे। इससे पहले हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने वेस्ट बैंक के शहर तुलकरम पर एक इजरायली हमले में अपने एक प्रमुख कमांडर जही यासर अब्द अल-रजेक औफी के साथ सात अन्य लड़ाकों की मौत की पुष्टि की थी। हमास ने शुक्रवार को एक बयान में यह बातें कही। हमास की सशस्त्र शाखा

अल-क़स्साम ब्रिगेड ने कहा कि इज़रायल को अपने आपराधिक कृत्यों की कीमत चुकानी होगी। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गुरुवार रात घोषणा की कि उसने हमास नेटवर्क के प्रमुख कमांडर औफी को मार गिराया है। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि औफी ने 02 सितंबर को अटेरेट में कार बम विस्फोट की योजना बनाई और उसका नेतृत्व किया था। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि गुरुवार को वेस्ट बैंक में तुलकरम शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर किए गए एक इज़रायली हवाई हमले में कम से कम 18 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए थे। आपको बता दें कि इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्ष में की शुरुआत में 1200 लोग मारे गए और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था।

इमरान की पार्टी को प्रदर्शन के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराएं, इस्लामाबाद हाईकोर्ट का निर्देश

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने शनिवार को पाकिस्तान सरकार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को प्रदर्शन के लिए एक उपयुक्त स्थान आवंटित करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट का यह निर्देश इस्लामाबाद में 15-16 अक्तूबर को होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन को देखते हुए आया है। पाकिस्तान पहली बार एससीओ की मेजबानी कर रहा है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान एक साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई खान की रिहाई, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बढ़ती महंगाई के खिलाफ लड़ाई की मांग कर रही है। जेल में बंद खान ने रैली का आह्वान किया है। किसी भी क्षेत्र में गैरकानूनी सभा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी: हाईकोर्ट इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने पीटीआई समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा हसन अख्तर की याचिका पर सुनवाई के बाद आदेश जारी किया। न्यायमूर्ति फारूक ने कहा कि आंतरिक मंत्रालय और इस्लामाबाद प्रशासन राजधानी में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम, 2024 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र में किसी भी गैरकानूनी सभा को आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य न्यायाधीश फारूक ने अधिकारियों को इस्लामाबाद में सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उचित और आनुपातिक उपाय करने का निर्देश दिया और प्रशासन से किसी भी राजनीतिक गतिविधि के

लिए पीटीआई को एक उपयुक्त स्थान आवंटित करने के लिए भी कहा। खान की पार्टी के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इस्लामाबाद-लाहौर में सेना तैनात इससे पहले दिन में, जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की विरोध प्रदर्शन को देखते हुए उनके समर्थकों की रैलियों को रोकने के लिए शनिवार को इस्लामाबाद और लाहौर में सेना को तैनात कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक रेंजर्स को भी तैनात किया गया था। इन प्रदर्शनों को देखते हुए अधिकारियों ने कई शहरों में धारा 144 भी लागू कर दी है, जिसके तहत रावलपिंडी और इस्लामाबाद के जुड़े शहरों में सार्वजनिक सभाओं, राजनीतिक सभाओं और प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।, ताकि किसी भी राजनीतिक सभा या विरोध प्रदर्शन को गैरकानूनी घोषित किया जा सके।

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे।

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

(भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष)

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

संपादकीय

लौटते मानसून में

देश से मानसून विदा हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से वह तीन दिन पहले ही प्रस्थान कर चुका है और धीरे-धीरे बिहार, बंगाल होते हुए सप्ताह भर में पूरे उत्तर भारत से विदा हो जाएगा। कुल मिलाकर, इस मानसून में अब तक सामान्य से आठ प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। अगर राज्यवार देखें, तो पंजाब, केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों में सितंबर के महीने में कम बारिश दर्ज हुई है, बाकी सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में अच्छी बारिश दर्ज हुई है। उत्तर प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल में भी अच्छी बारिश हुई है। बिहार में भी लौटते-लौटते मानसून खूब बरसा है और सामान्य से कुछ ज्यादा बारिश दर्ज हुई है। वैसे, राज्यों में भी अगर हम जिलावार देखें, तो उत्तर भारत में करीब बीस जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से कम बारिश दर्ज हुई है। किसी जिले में अच्छी बारिश हुई है, तो उसके अगल-बगल के जिलों में बहुत सामान्य बारिश हुई है। खास बात यह है कि इस बार मरुस्थल वाले राज्य राजस्थान में खूब बारिश हुई है। बारिश के पानी को अगर सहेजकर रखा जाए, तो दो वर्ष लायक पानी बरस गया है। कुल मिलाकर, मौसम विज्ञान विभाग के अनुमानों के अनुरूप ही वर्षा हुई है। वैसे, हर बार की तरह इस बार भी मानसून का एक दुखद पहलू है कि देश भर में करीब 1,500 लोगों की मौत दर्ज हुई है। सर्वाधिक लोग बिजली गिरने और बाढ़ से मरे हैं। सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश, उसके बाद उत्तर प्रदेश और फिर बिहार में लोगों ने जान देकर बारिश की कीमत चुकाई है। यह अपने देश का एक दुखद पहलू है। क्या हम बारिश के मौसम में जान-माल के नुकसान से बच सकते हैं? क्या बारिश या बाढ़ से जूझने के लिए हम पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हो पा रहे हैं? यह भी एक संकेत है कि हम बारिश को गंभीरता से नहीं लेते हैं। बारिश को अगर गंभीरता से लेते, तो जल संरक्षण के ज्यादा काम दिखाई पड़ते। गांव हों या शहर, जलाशयों की नाकाफी सफाई को ही अगर हम देख लें, तो अंदाजा लग जाएगा कि जलभराव की समस्या साल-दर-साल कैसे बढ़ती जा रही है। अमीर शहरों में भी जलभराव मौत की वजह बन रहा है। आपदा प्रबंधन के स्तर पर भी बहुत काम बाकी है। आपदा आने के बाद जागने की प्रवृत्ति हमें छोड़ देनी चाहिए। आपदा नियंत्रण के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षित करना जरूरी हो गया है। बाढ़ की अगर चर्चा करें, तो खासतौर पर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के इलाकों में भयावहता सामने आई है। बिहार में नदियों में पानी के बढ़ने की एक वजह नेपाल में हुई भारी बारिश है। नेपाल में 235 से ज्यादा लोगों की मौत बाढ़, भूस्खलन या बारिश की वजह से हुई है। भारत से गए अनेक लोग नेपाल में फंसे हुए हैं। बिहार में करीब 18 जिलों में बाढ़ का असर है। जगह-जगह लोग फंसे हुए हैं। ऊंची जगहों पर शरण लिए हुए हैं। सबको पानी के उतरने का इंतजार है। अनुमान के अनुसार, 1 अक्तूबर से जल स्तर में गिरावट का क्रम जारी है, पर अभी पानी को खतरे के निशान से नीचे आने में सप्ताह भर का समय लग सकता है। अगर लौटते मानसून की बारिश तेज होती है, तो फिर बिहार ही नहीं, नेपाल को भी बाढ़ से निजात के लिए इंतजार करना होगा। वैसे साल के ज्यादातर समय पेयजल संकट का सामना करने वाले इन इलाकों में जल प्रबंधन में युद्ध स्तर पर सुधार जरूरी है, ताकि बाढ़ कहीं भी जानलेवा न बने।

पंजाब के बाद उड़ता मध्य प्रदेश

(लेखक - राकेश अचल)

7 हरियाणा और जम्मू-काश्मीर विधानसभाओं के लिए चुनाव होने के बाद आज और कल का दिन खबरों के लिहाज से शून्यकाल है। इस शून्यकाल में मै अपने सूबे मध्यप्रदेश को ले रहा हूँ । एक जमाना था जब देश में पंजाब उड़ता पंजाब हो गया था और एक समय ये है कि हमारा मध्यप्रदेश पंजाब के बाद अब उड़ता मध्यप्रदेश हो गया है।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सूबे के हर जिले में बरसाना बसना चाहते हैं लेकिन उनकी पुलिस की अकर्मण्यता ने प्रदेश के हर जिले में ड्रगिस्तान बसा दिए है।

मध्यप्रदेश कमाई उड़ता हुआ तो बहुत दिनों से देख रहा था,लेकिन इस बारे में लिखने में संकोच कर रहा थी । कौन अपनी जाँघा उघाड़कर दिखाए, लेकिन जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी जी ने शनिवार को महाराष्ट्र में कहा कि-卐 कांग्रेस नशे के पैसों से चुनाव लड़ना चाहती है तो मुझे अपना उड़ता हुआ मध्यप्रदेश नजर आने लगा। दुनिया जानती है कि भारत में मोदी युग के कथित अमृतकाल की वक्त ने उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है ।8 अक्टूबर को इसका प्रमाण भी मिलने जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के कांग्रेस पर लगाए गए आरोप के कुछ ही घंटों बाद डबल इंजिन से चलने वाली प्रचंड बहुमत वाली मप्र सरकार की राजधानी भोपाल में 1800 करोड़ रू.के ड्रग्स मेफेड्रोन [एम डी] की फ़ेक्ट्री और 5000 करोड़ के कच्चा माल भी पकड़ा गया है।

आपको पता है कि मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर शहर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू है। इसके लागू होने के चलते ये यह फ़ेक्ट्री कई दिनों से चल रही थी लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं थी । या फिर पुलिस कमिश्नर से लेकर दूसरे तमाम लोग इस नशे के कारोबार के बारे में सब कुछ जानते हुए इसे संरक्षण दे रहे थे,क्योंकि पैसा सबको चाहि। सरकार को भी और पुलिस वालों को भी। सब जानते हैं कि मध्यप्रदेश में पिछले 21 वर्ष से भाजपा कि सरकार है न कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साहब की सरकार। मुमकिन है कि कांग्रेस नशे के पैसे से चुनाव लड़ रही हो लेकिन हकीकत ये है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के गृहराज्य गुजरात जिसे गांधी का गुजरात भी कहा जाता है पिछले अनेक वर्षों से नशे का हृदय प्रदेश बना हुआ है। मप्र की सीमाओं से सभी क़िस्म का नशा गुजरात होते हुए गोवा तक जा रहा है ।

अब गुजरात में हमारे पड़ौसी पाकिस्तान के नवाज़ शरीफ़ की सरकार तो है नहीं। गुजरात में भी 22 साल से दुनिया कि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा कि सरकार है। खास बात ये है कि जिस प्रदेश में पूर्ण शराब बंदी हैं वहां देश कि सबसे बड़ी नशे की मंडी बन गयी है मध्यप्रदेश में तो नशे कि बड़ी खेप कल पकड़ी गयी है किन्तु आपको याद होगा कि . गुजरात के ही मुंद्रा पोर्ट में 22 हज़ार करोड़ रू. की ड्रग बहुत पहले पकड़ी जा चुकी है। यह पोर्ट किसका है और पोर्ट वाले पर किसकी कृपा बरस रही है ये देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया जानती है। यह ड्रग्स कहां से आई, किसने भेजी,कहां-कहां पहुंचनी थी, यह रहस्य काल के गाल में कहां समा गय। यह भी ठीक वैसा ही रहस्य है,जैसे जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में हमारे 40 सैनिकों की शहीदी के लिए चाक चौबंद सुरक्षा के बावजूद भी 350 क्विंटल आरडीएक्स कहां से आया था ?

मुझे हैरानी है कि प्रधानमंत्री जी के अधीन देश के सुरक्षा सलाहकार, तीनों सेना,रॉ,एनआईए,सीबीआई जैसी तमाम महत्वपूर्ण सुरक्षा एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी डबल इंजिन से चलने वाले गुजरात और मध्यप्रदेश में आख़िरकार इसतरह की सेंध कहां से लग रही है ? कौन लगा रहा हैं ? क्या यह सरकार संरक्षित उपक्रम है या इन सभी एजेंसियों को पंगु बना दिया गया है ?

हम जैसे नामुराद लोग अक्सर सत्ता प्रतिष्ठान में बैठे लोगों को आइना दिखने का काम करते आये हैं। इसलिए अनुरोध भी करते रहते हैं कि सत्ताधीश इसे अपना अपमान नसमझे । उन्हें पता होना चाहिए कि आइना चाहे कांच का हो या पानी का सही तस्वीर दीखता है । नारद जी को भी इसी जल मुकुर ने उनका मर्कट रुप तब दिखाया था जब वे राजकुमारी के मोह में पड़ गए थे। मेरा मध्य प्रदेश के पढ़े-लिखे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अनुरोध है कि वे बात-बात पर पुलिस अधिकारीयों का तबादला करने,उन्हें निलंबित करने के बजाय सबसे पहले अपने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को ही बदल ले, बेहतर हो कि वे पुलिस कमिश्नर प्रणाली कि ही समीक्षा कर देखें । क्योंकि यदि पुलिस कमिश्नर प्रणाली में छेड़ न होते तो मध्यप्रदेश आसानी से उड़ता मध्यप्रदेश न बन पाता। मध्यप्रदेश में गुजरात कि पुलिस का घुसना और दर्ज का जखीरा पकड़ना ही इस बात का प्रमाण है कि इस कारोबार के पीछे मध्यप्रदेश कि पुईस भी होगी और चुनाव लड़ने वाले लोग भी।

ड्रग माफिया पर रेड की कार्रवाई अचानक तो नहीं हुई है। जाहिर है कि मध्यप्रदेश पुलिस ने जब इस तरह कार्रवाई करने से अपना चेहरा छिपाया होगा तब जाकर गुजरात एटीएस ने यह कार्रवाई की योजना बनाई होगी ,क्योंकि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सूचना होती तो कार्रवाई करने के लिए गुजरात एटीएस की मदद नहीं लेती। दोनों राज्यों में एक ही दल की सरकार है इस सूचना को मध्यप्रदेश पुलिस को बता कर कार्रवाई कराई जा सकती थी। परंतु मध्य प्रदेश पुलिस पर गुजरात एटीएस को कदापि भरोसा नहीं था यह कारण है कि जब सूचना पर कार्रवाई करने की बात आयी तो नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मदद ली। सूचना एनसीबी की होती तो वह मध्यप्रदेश पुलिस के साथ मिलकर कार्यवाही कर लेता। प्रश्न उठता है कि यह सब ड्रग्स का कारोबार मध्यप्रदेश में कब से चल रहा था और इसका किन किन प्रांतों में फैलाव है।

(चिंतन-मनन)

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः। पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।

महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है?

यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।

जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये?

यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं।

जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं?

यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली।

जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे।

तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?

विचार मंथन

नशीले पदार्थों का कारोबार दवा के माध्यम से सबसे खतरनाक दौर पर

लेखक- सनत जैन

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुजरात की एटीएस और दिल्ली स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की संयुक्त टीम ने 907 किलो,1814 करोड रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स बरामद की है। कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस ने 5600 करोड रुपए की एमडी ड्रग्स बरामद की है। दिल्ली पुलिस ने इसका मास्टरमाइंड तुषार गोयल को बताया है। एक सप्ताह के अंदर 7474 करोड रुपए की ड्रग्स बरामद होने से देश में राजनीतिक हलकों में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। पंजाब के अमृतसर में भी हजारों करोड रुपए की ड्रग्स बरामद हुई है। अमृतसर एयरपोर्ट में पकड़े गए अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के प्रमुख जतिन्द्र सिंह की निशानदेही पर अमृतसर से नेपाल तक फैले नशे के कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। गुजरात के मुद्रा पोर्ट से कुछ महीने पहले 23000 करोड रुपए से अधिक के नशीले पदार्थों की खेप पकड़े जाने का मामला उजागर हुआ था। इस मामले को बड़ी तेजी के साथ दबा दिया गया था नारकोटिक्स विभाग ने भी छुपी साध ली थी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने भी इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया था। मीडिया ने भी उसे समय इस मामले को दवा लिया था। गुजरात के रास्ते से सारे देश भर में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ पिछले कुछ वर्षों में फैला है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने नशीले पदार्थों के कारोबार को चुनाव का मुद्दा बनाया। इसके पहले पंजाब विधानसभा के चुनाव मे उड़ता पंजाब युवाओं में नशे की आदत को लेकर यह मामला प्रकाश में आया था। जिसमें युवाओं को नशे की लत में डालने की बात कही गई थी। मुद्रा पोर्ट में जो नशीले पदार्थ जप्त हुए थे। उसको लेकर नारकोटिक्स विभाग और केंद्र सरकार ने आज भी चुप्पी साध रखी है। अब एक बार फिर नशीले पदार्थों की तस्करी का मामला तूल पकड़ने लगा है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते, गुजरात होते हुए, भारत में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ सभी राज्यों में फैला है। नशीले पदार्थों से दवा कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर दवाइयां तैयार कर नशीली दवाइयां बेची जा रही हैं। ड्रग्स की गोलियां तैयार कर दवा के रूप में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़े पैमाने पर स्कूल,कॉलेज,दवा की दुकानों से खुले आम हो रहा है। हर छोटे बड़े शहरों में नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले गैंग सक्रिय हो गए हैं। जो युवाओं को नशे की लत डालकर भारी कमाई कर रहे हैं। नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाली गैंग स्कूल, कॉलेज,हॉस्टल तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर ड्रग्स उपलब्ध करा रही है। एक बार नशे की लत लग जाती है। उसके बाद इस मनमाने कीमत पर बेचा जाता है। गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सिंह संघवी ने 1814 करोड रुपए की ड्रग भोपाल से बरामद करने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी। गुजरात एटीएस पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली ने भोपाल पुलिस को इसकी खबर नहीं लगने दी। गोपनीय तरीके से छापा डाला गया था। हरियाणा में जिस तरह से नशीले पदार्थों का कारोबार चुनावी मुद्दा बना। उसके बाद एकाएक नारकोटिक्स विभाग और गुजरात की पुलिस सकीर्य हुई है। भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र की एक बंद बड़ी इकाई में एमडी ड्रग्स का निर्माण और वितरण का कारोबार अवैधानिक तरीके से किया जा रहा था। केवल एक फैक्ट्री से 1814 करोड रुपए की ड्रग्स बरामद होना इस बात की और इशारा करता है,कि सारे देश एमडी ड्रग्स के माध्यम से नशीले पदार्थों का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। एमडी ड्रग्स का रासायनिक नाम मिथाइल डायोक्सी मैथएंफोट्टामाइन है। इसको दवा और पाउडर के रूप में विकसित कर नशे के रूप में बेचा जाता है। इसका नशा कम से कम 6 घंटे तक बना रहता है। जो भी इस नशे का उपयोग करता है। उससे उत्तेजना आती है, उसे आनंद की अनुभूति होती है। नशा करने पर उसे लगता है, जैसे वह हवा में उड़ रहा है। इस कारोबार में अब अपराधी ही नहीं, वरन दवा विक्रेता, दवा निर्माता, भी शामिल हो गए हैं। जिसके कारण बड़ी तेजी के साथ भारत के युवा नशे के शिकार हो रहे हैं।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

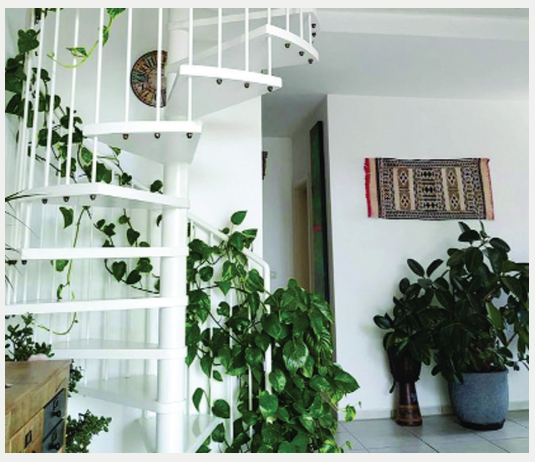

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुांड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

पेटीएम उपभोक्ता भुगतान कारोबार पर कर रहा ध्यान केंद्रितः सीईओ

कोलकाता । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेटीएम की तत्काल प्राथमिकता अपने उपभोक्ता भुगतान कारोबार में निवेश करना है, ताकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नियामकीय कार्रवाइयों के बाद खोए उपयोगकर्ता आधार को वापस पाया जा सके। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स और वॉलेट्स सहित ग्राहक खातों में जमा स्वीकार करने या क्रेडिट लेनदेन की सुविधा देने से प्रतिबंधित कर दिया था। अगस्त में पेटीएम ने अपने टिकटिंग व्यवसाय को खाद्य प्रौद्योगिकी कंपनी ज़ोमैटो को 2,048 करोड़ रुपये में बेच दिया ताकि वह अपने मुख्य परिचालन, भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित कर सके। पेटीएम के एक अे धिकारी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की युवा इकाई यंग इंडियंस के कलकत्ता चैप्टर द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कहा` कि भुगतान हमारा प्राथमिक व्यवसाय बना हुआ है, और व्यापारी पक्ष मजबूत बना हुआ है। हालांकि, विनियामक बाधाओं के कारण हमने एक महत्वपूर्ण उपभोक्ता आधार खो दिया है। आगे बढ़ते हुए हमारा लक्ष्य उपभोक्ता भुगतान व्यवसाय क्षेत्र में फिर से निवेश करना है। उपभोक्ता भुगतान में यूपीआई भुगतान शामिल है, जबकि व्यापारी पक्ष में क्यूआर कोड लेनदेन शामिल है।

लुमिकाई से फ्रैमर एआई ने 20 लाख डॉलर का जुटाए

नई दिल्ली । वीडियो निर्माण मंच फ्रैमर एआई ने कहा है कि उसने लुमिकाई से 20 लाख अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 16.8 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है। लुमिकाई, गेमिंग और इंटरैक्टिव मीडिया मंचों में निवेश करती है। कंपनी बयान के अनुसार ताजा पूंजी का इस्तेमाल फ्रैमर की पेशकशों को खेल तथा मनोरंजन में विस्तारित करने और डेटा-प्रशिक्षण में निवेश करने में किया जाएगा। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कोष का इस्तेमाल अपनी प्रौद्योगिकी दल का विस्तार करने के वास्ते भी किया जाएगा। फ्रैमर एआई की एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि छोटी वीडियो की आवश्यकता और उसमें रुचि पहले कभी इतनी अधिक नहीं थी।

मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक का फैसला 9 अक्टूबर को आएगा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक इस सप्ताह हो रही है, जिसमें विशेषज्ञों का मानना है कि प्रमुख ब्याज दर रेपो में कोई कटौती नहीं की जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, रिटेल इन्फ्लेशन अब भी चिंता का विषय बना हुआ है, और पश्चिम एशिया में संकट और बिगड़ने की संभावना है, जिसका असर कच्चे तेल और अन्य जिंसों की कीमतों पर पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें तीन नए बाहरी सदस्यों को शामिल किया गया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास बुधवार 9 अक्टूबर को तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा करेंगे। आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिसंबर में रेपो दर में कुछ ढील की गुंजाइश हो सकती है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत (2 प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर बनी रहे। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई संभवतः अमेरिकी फेडरल रिजर्व का अनुसरण नहीं करेगा, जिसने हाल ही में बेंचमार्क दरों में 0.5 प्रतिशत की कमी की है।

भारत, यूएई निवेश संवर्धन व संरक्षण संधि 31 अगस्त से लागू हुईः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) इस साल 31 अगस्त से लागू हो गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीआईटी पर इस साल 13 फरवरी को यूएई के अबू धाबी में हस्ताक्षर किए गए थे और यह 31 अगस्त 2024 से लागू हो गई। संयुक्त अरब अमीरात के साथ इस समझौते के लागू होने से दोनों देशों के निवेशकों को निरंतर निवेश संरक्षण मिलेगा। भारत और यूएई के बीच दिसंबर 2013 में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश संरक्षण तथा संवर्धन समझौता (बीआईपीपीए) इस साल 12 सितंबर को समाप्त हो गया था। भारत में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में तीन प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ यूएई सातवें स्थान पर है। इसमें अप्रैल 2000 से जून 2024 तक करीब 19 अरब अमरीकी डॉलर का संचयी निवेश शामिल है। भारत ने भी अप्रैल 2000 से अगस्त 2024 तक यूएई में अपने कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का पांच प्रतिशत यानी 15.26 अरब डॉलर का

निवेश किया है। भारत-यूएई बीआईटी से निवेशकों के बीच सहजता का स्तर बढ़ने तथा विश्वास में वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि इसमें न्यूनतम मानक तथा गैर-भेदभाव रुख का आश्वासन दिया जाएगा। साथ ही मध्यस्थता द्वारा विवाद निपटान के लिए एक स्वतंत्र मंच भी उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि इस संधि से द्विपक्षीय निवेश में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों और अर्थव्यवस्थाओं को फायदा होगा।

फ्रांस और भारत मिलकर वैमानिकी संकुल विकसित करेंगे

नई दिल्ली ।

भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने सोमवार को कहा कि फ्रांस और भारत एयरोस्पेस क्षेत्र में अपने सहयोग को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं और उनकी एक वैमानिकी संकुल (एयरोनॉटिक्स क्लस्टर) विकसित करने की योजना है। फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईएफएएस) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी न केवल रणनीतिक बल्कि सार्वभौमिक है। भारत और फ्रांस के बीच एयरोस्पेस, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी है। उन्होंने कहा कि 2024 की पहली छमाही में फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनियों का देश में निर्यात 2.7 अरब यूरो रहा। मथौ ने कहा कि फ्रांस और भारत एक वैमानिकी संकुल के साथ-साथ वैमानिकी तथा अंतरिक्ष के लिए एक इंडो-फ्रेंच परिसर भी विकसित करेंगे। संकुल प्रस्ताव पर विस्तृत जानकारी तुरंत मुहैया नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि भारत के परिवहन को कार्बन मुक्त करने और सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) विकसित करने के लक्ष्य का फ्रांस समर्थन करेगा।

हिताची एनर्जी करेगी 2000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । हिताची एनर्जी ने भारतीय कारोबार के 75 साल पूरे होने पर देश में स्थायी ऊर्जा भविष्य को बढ़ावा देने के लिए अपनी क्षमता, प्रोडक्ट रेंज और टैलेंट बेस को विस्तार करने पर लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई हैद्य। पिछले 75 सालों में भारत की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं में योगदान देते हुए हिंदुस्तान इलेक्ट्रिक से लेकर हिंदुस्तान ब्राउन बॉवेरी, एबीबी पावर ग्रिड्स, हिताची एबीबी पावर ग्रिड्स और अब हिताची एनर्जी बनने तक इस कंपनी ने 1949 से देश के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई है। अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए कंपनी एनर्जी एंड डिजिटल वर्ल्ड 75 नाम से सोमवार से दो दिन का टेक्नोलॉजी इवेंट आयोजित किया है। इसमें भारत के नेट-ज़ीरो लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करने वाली नई तकनीकों पर चर्चा की जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन हाल ही में भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत, हिताची एनर्जी के ग्लोबल सीईओ एंड्रियास शियरेनबेक और हिताची एनर्जी इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एन वेणु ने किया। इस अवसर पर वेणु ने कहा कि इस खास साल को यादगार बनाने के लिए, हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड अगले चार से पांच सालों में लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। यह निवेश भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

आईडीएफसी लिमिटेड के साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विलय सफलतापूर्वक पूरा हुआ

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा आज बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान, बैंक ने घोषणा की कि उसने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय पूरा कर लिया है। यह घोषणा शेयरधारकों और नियामकों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद की गई, और 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगी।

विलय के परिणामस्वरूप, आईडीएफसी लिमिटेड के प्रत्येक 100 इक्विटी शेयर्स के लिए बैंक के 155 इक्विटी शेयर्स आवंटित किए जाएँगे। यह आवंटन उन शेयरधारकों पर लागू होता है, जिनके पास रिकॉर्ड तिथि, 10 अक्टूबर, 2024 तक आईडीएफसी लिमिटेड के शेयर्स हैं। उम्मीद है कि नियामक प्रक्रियाओं और मंजूरी के अधीन, शेयर्स 31 अक्टूबर, 2024 को या उससे पहले आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को जमा कर दिए जाएँगे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के विलय के निम्नलिखित लाभ हैं- 1. सरल कॉर्पोरेट संरचना- विलय के बाद, बैंक के पास बिना किसी होल्डिंग कंपनी के एक सरल कॉर्पोरेट संरचना होगी।

2. सरल शेयरहोल्डिंग संरचना: शेयरहोल्डिंग संरचना भारत के अन्य शीर्ष निजी बैंकों के समान होगी, जिसमें कोई प्रवर्तक हिस्सेदारी नहीं होगी। बैंक पेशेवर रूप से प्रबंधित संस्थान बना रहेगा।

3. नकद और नकद समकक्ष: विलय के तहत, लगभग 600 करोड़ रुपए नकद और नकद समकक्ष बैंक को हस्तांतरित किए जाएँगे।

4. बकाया चुकता शेयर्स में कमी: आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में रखे गए आईडीएफसी लिमिटेड के 2,64,64,38,348 इक्विटी शेयर्स रद्द कर दिए जाएँगे। बदले में, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सहमत स्वैप रेश्यो के अनुसार आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को 2,47,99,75,876 नए इक्विटी शेयर्स जारी करेगा। इस प्रकार, बैंक की चुकता शेयर पूँजी में 16,64,62,472 इक्विटी शेयर्स की कमी होगी। इसके परिणामस्वरूप, लेनदेन के बाद बैंक की चुकता पूँजी 7,48,27,31,991 शेयर्स से घटकर 7,31,62,69,519 इक्विटी शेयर्स हो जाएगी।

5. लाभांश का भुगतान करने के लिए पात्र: बैंक को अपने शुरुआती वर्षों में कुछ मुख्य कारणों के चलते नुकसान का सामना करना पडा था, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेट लोन और गुडविल राइट-ऑफ जैसे मुद्दे शामिल थे। इससे शेयरधारकों को लाभांश देने की बैंक की क्षमता सीमित हो रही थी। विलय योजना के तहत, संचित घाटे को बैंक के प्रतिभूति प्रीमियम खाते से समायोजित किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, अब बैंक भविष्य में लाभांश देने पर विचार कर सकेगा।

6. नियामक अनुपालनों को सरल और सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।

7. भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशकों में देश में कई अवसर उत्पन्न होंगे। बैंक के पास बेहतर क्षमताओं और एक मजबूत ब्रांड के साथ-साथ एक सरल शेयरहोल्डिंग और कॉर्पोरेट संरचना है। भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाने के लिए बैंक बेहतर स्थिति में है। एक यूनिवर्सल बैंक के रूप में, यह अपने ग्राहकों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है, जो इसे इस गतिशील वातावरण में विकास के लिए तैयार करता है।

विलय के बारे में बोलते हुए, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री वैद्यनाथन ने कहा, "आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड के बीच आज विलय की जो घोषणा की गई है, वह दो वर्षों की कड़ी मेहनत का प्रतीक है। मैं आईडीएफसी लिमिटेड का आभारी हूँ कि उन्होंने पूरी संरचना को सरल बनाने, चुनौतियों से निपटने और विलय को संभव बनाने के लिए महत्वपूर्ण सहायक चर्चाएँ कीं। मैं सभी नियामक प्राधिकरणों को उनके महान मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी धन्यवाद् देता हूँ, जिससे इस विलय को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद मिली।

एसबीआई ने एमटीएनएल ने लोन खातों को एनपीए घोषित किया

मुंबई ।

भारत में जहां 5जी और 6जी स्पीड की दिशा में तेजी से कदम बढ़ रहे हैं, वहीं कुछ टेलीकॉम कंपनियां आर्थिक संकट का सामना कर रही हैं।

इसमें वोडाफोन-आइडिया के साथ सरकारी टेलीकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) भी शामिल है। रिपोर्टों के अनुसार, एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति गंभीर होती जा रही है। सोमवार को एमटीएनएल का शेयर 5 फीसदी की गिरावट आई और लोअर सर्किट लग गया। जुलाई में इसका शेयर ने 97 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ था।

दरअसल, 30 अगस्त, 2024 तक कंपनी पर कुल 31,944.51 करोड़ रुपए का कर्ज था और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एमटीएनएल के लोन खातों को 'सब-स्टैंडर्ड' नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) घोषित है।

यह स्थिति तब आई है जब एमटीएनएल अपने कर्ज की अदायगी में असफल रही है। एसबीआई ने एमटीएनएल को चेतावनी दी है कि यदि वह जल्द ही बकाया राशि का भुगतान नहीं करती है, तब जुर्माना और ब्याज का भुगतान करना पड़ सकता है, साथ ही कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। एमटीएनएल पर एसबीआई का कुल 325.53 करोड़ रुपए का कर्ज बकाया है। एसबीआई ने कंपनी को 30 सितंबर, 2024 तक यह राशि चुकाने के लिए समय दिया था, जिसे एमटीएनएल पूरा करने में असमर्थ रही। इसके बाद बैंक ने कंपनी के लोन खातों को 'सब-स्टैंडर्ड' एनपीए की श्रेणी में डाल दिया है, जो उन खातों के लिए होता है जिनकी डिफॉल्ट अवधि 12 महीने से कम होती है और जिनमें भुगतान की संभावना बनी रहती है। एसबीआई ने एमटीएनएल को अपने खाते को नियमित करने के लिए 282 करोड़ रुपए की राशि तुरंत चुकाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, बैंक ने सरकार द्वारा एमटीएनएल के कर्ज की गारंटी और कंपनी की संपत्ति मुद्रीकरण परियोजनाओं की स्थिति पर जानकारी मांगी है। इससमें दिल्ली में 13.88 एकड़ जमीन को आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के लिए विकसित करने के लिए एनबीसीसी के साथ किए गए समझौते का विवरण भी शामिल है।

एलआईसी ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र में अपनी हिस्सेदारी 4.05 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.10 प्रतिशत कर दी है। एलआईसी के मुताबिक पुणे स्थित इस सरकारी बैंक में उन्हें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से 25.96 करोड़ शेयरों का आवंटन मिला है। इस प्रक्रिया के दौरान एलआईसी ने बैंक में 3.376 प्रतिशत इक्विटी का अधिग्रहण किया है। यह शेयर एलआईसी ने औसतन 57.36 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने इस क्यूआईपी प्रक्रिया के तहत लगभग 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके अंतर्गत बैंक ने 610.1 करोड़ शेयर पात्र संस्थागत खरीदारों को 57.33 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर आवंटित किए, जबकि इश्यू प्राइस 60.37 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। इस क्यूआईपी प्रक्रिया में टॉप इन्वेस्टर्स में एलआईसी ने कुल इश्यू का 42.56 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त किया। इसके अलावा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस को 8.51 प्रतिशत और आदित्य बिड़ला सन लाइफ को 5.67 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली। एलआईसी का यह कदम बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ उसके संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ निवेश पोर्टफोलियो को भी बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मंहगाई की मार से जनता को बचाने खुद टमाटर बेचेगी सरकार

नई दिल्ली।

सरकार ने मंहगाई से राहत देने का आसान तरीका ढूंढ लिया है। आटा,दाल और सब्जियों दाम बढ़े तो सरकार खुद उसे बेचने लगती है और जनता को राहत देने की कोशिश करती है। अब मंहगे होते टमाटर को खुद सरकार ने बेचने का फैसला किया है। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और सफल के आउटलेट्स के जरिए दिल्ली और आसपास के शहरों में 65 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचे जाएंगे। केंद्र सरकार ने खुदरा बाजार में टमाटर की कीमतों पर काबू पाने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत यह हस्तक्षेप शुरू किया है। जुलाई में भी, खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसी तरह का कदम उठाते हुए 60 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचने का अभियान शुरू किया था। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और सफल के आउटलेट्स पर सस्ते टमाटर बेचे जाएंगे। सरकारी बयान के अनुसार, एनसीसीएफ थोक बाजारों से टमाटर खरीदकर उचित दरों पर बेच रहा है, ताकि बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर लगाम लगाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में थोक और खुदरा कीमतों में बड़ा अंतर देखा जा रहा है, क्योंकि कुछ व्यापारी त्योहारों के मौसम में बढ़ती मांग का फायदा उठा ऊंचे रेट पर टमाटर बेच रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 65 रुपये प्रति किलो की दर पर टमाटर बेचने के बावजूद सरकार को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। यह थोक और खुदरा कीमतों के बीच भारी अंतर को उजागर करता है।त्योहारी सीजन शुरू होने के बाद से ही सब्जियों के भाव में काफी उछाल आया है। सब्जियों के बढ़ते दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। देश के बहुत से शहरों में टमाटर 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। भिंडी, पालक, हरी मिर्च, लौकी के दाम भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। इस समय, प्रमुख शहरों में खुदरा टमाटर की कीमतें 80-90 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी हैं, जबकि दो हफ्ते पहले यह 40-50 रुपये प्रति किलो थी।

कोयले से बिजली उत्पादन पूरी तरह समाप्त करने वाला पहला देश बना इंग्लैंड

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड ने 1 अक्टूबर को अपने आखिरी कोयला-आधारित पावर प्लांट को बंद कर दिया, जिससे वह जी7 देशों में कोयले से बिजली उत्पादन को पूरी तरह समाप्त करने वाला पहला देश बन गया। यूके में चार मुख्य क्षेत्र शामिल हैं इंग्लैंड, नॉर्दर्न आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स। यूके ने धीरे-धीरे कोयले के उपयोग को कम करने के लिए गैस-आधारित बिजली उत्पादन और कार्बन उत्सर्जन पर जुर्माने का सहारा लिया।

इस सदी की शुरुआत से यूके ने किसी भी नए कोयला-आधारित क्षमता का जोड़ नहीं किया है। इसकी तुलना में चीन ने 2000 के बाद से वैश्विक स्तर पर जोड़ी गई 1,588.5 गीगावाट कोयला-संचालित क्षमता का 69 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम किया है। यह आंकड़ा वैश्विक ऊर्जा मॉनिटर के अनुसार सभी देशों में सबसे अधिक है। भारत इस क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है, जिसने कुल वैश्विक क्षमता में 12 फीसदी की वृद्धि की है। भारत ने 2000 से अब तक जो कोयला क्षमता जोड़ी है, उसमें से 29 प्रतिशत 2015 के पेरिस समझौते के बाद जोड़ी गई है। हालांकि, चीन ने इस अवधि में भारत की तुलना में पांच गुना अधिक कोयला क्षमता जोड़ी है। जर्मनी ने 1.1 गीगावाट कोयला क्षमता जोड़ी है, जबकि अमेरिका ने 2016 के बाद से कोई नया कोयला पावर प्लांट नहीं बनाया है और उसके शुद्ध जोड़ नकारात्मक रहे हैं। भारत का कोयले से मुक्ति की योजना धीमी गति से चल रही है।

अगले 15 वर्षों में भारत केवल 1 गीगावाट से कम कोयला क्षमता कम करने की योजना बना रहा है। यह लक्ष्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं और ब्रिक्स समूह के अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। भारत को अपने कोयला उत्पादन में कमी लाने के लिए और अधिक तेज़ी से कार्य करने की आवश्यकता है।

देश के धनाढ्यों ने सिंगापुर फैमिली ऑफिसों में 130 अरब डॉलर भेजे

- हांगकांग के एचएनई भी होड़ में शामिल

नई दिल्ली । भारत के अति धनाढ्यों ने वित्तीय वर्ष 2023 के आखिरी तक 130 अरब डॉलर की वित्तीय परिसंपत्तियां सिंगापुर के अपने फैमिली ऑफिसों में भेज दीं। इन धनकुबेरों की वजह से भारत, सिंगापुर में इस तरह की संपत्ति भेजने वाले देशों में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। एशिया प्रशांत में केवल चीन (400 अरब डॉलर) और इंडोनेशिया (140 अरब डॉलर) उससे आगे रहे। ये आंकड़े मैकिंजी एंड कंपनी के एक अध्ययन से सामने आए। पिछले महीने आई अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक हॉन्ग कॉन्ग इस मामले में चौथे स्थान पर है और उसने सिंगापुर में करीब 70 अरब डॉलर फैमिली ऑफिसों को भेजे। एशिया के बाकी देशों से सिंगापुर में कुल 370 अरब डॉलर से अधिक निवेश पहुंचा है। फैमिली ऑफिस धनाढ्यों और उद्योगपतियों की निजी संपत्तियां संभालने वाली कंपनियां होती हैं। इन्हें उनकी निजी कंपनियां भी कहा जा सकता है, जिसमें आम शेयरधारकों की कोई हिस्सेदारी या दखल नहीं होता। मैकिंजी के मुताबिक इस तरह का धन भेजने के लिए हॉन्ग कॉन्ग को भी पसंद किया जा रहा है, जहां भारतीयों ने 2023 तक अपने फैमिली ऑफिसों को 105 अरब डॉलर से अधिक भेजे। हॉन्ग कॉन्ग को इस तरह संपत्ति भेजने वालों में 70 अरब डॉलर के साथ इंडोनेशिया और 60 अरब डॉलर के साथ सिंगापुर नीचे थे। वहां भी चीनी निवेशक आगे थे, जिन्होंने 550 अरब डॉलर से अधिक की परिसंपत्तियां सिंगापुर में अपने फैमिली ऑफिसों को भेजीं। इन दोनों देशों में विदेशी फैमिली ऑफिसों में जो कुल संपत्ति भेजी गई है, उसमें करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी भारत के धनकुबेरों की भेजी संपत्ति की ही है। चीन 40 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है। सिंगापुर और हॉन्ग कॉन्ग में कर की दर बहुत कम है, नियम-कायदे काफी स्पष्ट हैं, वित्तीय व्यवस्था भी परिपक्व है और पात्र निवेशकों को नागरिकता मिल जाती है। साथ ही वहां कुशल प्रतिभा की भी कमी नहीं है। इन कारणों से इन देशों में फैमिली ऑफिस बनाकर संपत्ति भेजने का चलन बहुत अधिक है।

बीएसई 100 कंपनियों का आरएंडडी पर बढ़ा खर्च

नई दिल्ली ।

बीएसई 100 कंपनियों के अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) खर्च में लगातार इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 20 में यह राजस्व का 0.89 प्रतिशत था और वित्त वर्ष 24 में बढ़कर 1.32 प्रतिशत हो गया है, जो इस बीच की अवधि में औसतन करीब एक प्रतिशत रहा है। ब्लूमबर्ग द्वारा संकलित आंकड़ों और कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। इसके साथ ही इन कंपनियों ने इन पांच वर्षों के दौरान अपना आरएंडडी खर्च कुल मिलाकर 25,041 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 63,072 करोड़ रुपये कर दिया।

हालांकि यह नवाचार की प्राथमिकता को दर्शाता है, लेकिन कॉरपोरेट आएंडडी निवेश अपेक्षाकृत परंपरागत बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल कुछ कंपनियों ने ही अपने आरएंडडी खर्च में बड़ा इजाफा किया है, जो इस बता का संकेत है कि भारत कंपनी जगत को नवाचार के अपने प्रयासों को बढ़ाने के लिए अब भी लंबी सफर तय करना है।

वित्त वर्ष 24 में राजस्व के प्रतिशत के रूप में आरएंडडी खर्च करने वाली कंपनियों में हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज और ल्यूपिन प्रमुख रूप से शामिल हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा उपकरण विनिर्माता कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने आरएंडडी में 2,826.24 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो सालाना आधार पर 13.3 प्रतिशत अधिक है। यह इसके 30,381 करोड़ रुपये राजस्व का 9.3 प्रतिशत है। प्रमुख उपलब्धियों में बुनियादी प्रशिक्षक विमान का स्वदेशी डिजाइन और हल्के लड़ाकू विमान नौसेना प्रशिक्षक प्रोटोटाइप की पहली उड़ान शामिल है। डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान आरएंडडी में 2,113 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर इसके 28,011 करोड़ रुपये के निवेश का 7.5 प्रतिशत है।

हार्दिक पांड्या ने पहले टी20 में बनाए दो रिकॉर्ड, विराट कोहली को छोड़ा पीछे

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी20 में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पछाड़ दिया है। हार्दिक ने बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर में पहले टी20 मैच में सबसे ज्यादा छक्के के साथ मैच समाप्त करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसी के साथ ही वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

मैच के दौरान हार्दिक ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। पहले गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 6.50 की इकॉनमी रेट से अपने चार ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिया। बाद में 128 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्दिक ने 16 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 39* रन बनाकर शानदार फिनिशिंग की। उनके रन 243.75 की स्ट्राइक रेट से आए। अपनी पारी के दौरान पांड्या ने कुछ बेहतरीन शॉट लगाए। इसमें विकेटकीपर के सिर के ऊपर से नो-लुक रैंप शॉट भी शामिल था। ऑलराउंडर ने शॉट खेलते समय अपने खास आत्मविश्वास और स्वैगर का परिचय दिया, अपनी ताकत और बल्ले पर इतना भरोसा किया कि उन्हें पता था कि गेंद किसी भी तरह बाउंड्री की ओर जा रही है।

अब हार्दिक ने भारत के लिए टी20आई मैच में कुल पांच बार छक्का लगाकर मैच समाप्त किया है, जिससे उन्होंने विराट के चार बार ऐसा करने के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही अपने एक विकेट के साथ, पांड्या (87 विकेट) ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (86 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए सबसे छोटे प्रारूप में भारत के चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिन्होंने 96 विकेट लिए हैं, लेकिन वह लम्बे समय से टीम से बाहर हैं।

हरमनप्रीत की फिटनेस का पता जांच रिपोर्ट के बाद ही चलेगा : मंधाना

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर की जांच चल रही हैं और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी फिटनेस पर कुछ कहा जा सकेगा। हरमनप्रीत पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेल समाप्त होने के कुछ समय पहे चोटिल हो गयीं थीं। हरमनप्रीत गर्दन में चोट लगने के कारण 29 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं जिसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंतित हो गए। मैच के बाद हुए पुरस्कार वितरण समारोह में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि चिकित्सा दल उनकी गर्दन की चोट की जांच कर रहा है। स्मृति ने कहा, अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। चिकित्सक उनकी जांच कर रहे हैं। उनके शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने शानदार जीत दर्ज की। पाक गेंदबाजों की कसी हुई अनुशासित गेंदबाजी के कारण भारत पावर-प्ले में केवल 25 रन ही बना पायी। स्मृति ने माना कि भारतीय टीम ने जिस तरह से लक्ष्य का पीछा किसा उसमें सुधार हो सकता था, अब उनका नेट रन रेट -1.217 है। पाकिस्तान का रन रेट और स्थिति हार के बाद भी बेहतर है।

पीसीबी प्रमुख को भरोसा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आएगी टीम इंडिया

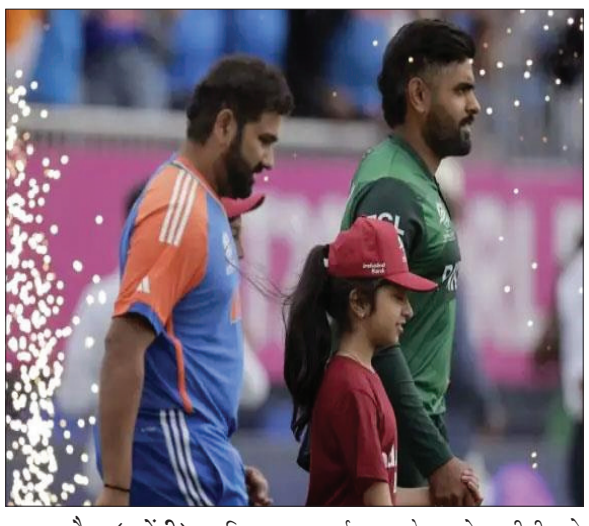

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सोमवार को भरोसा जताया कि आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन देश में होगा और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत सहित सभी टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के 19 फरवरी को शुरू होने का कार्यक्रम है जबकि इसका फाइनल नौ मार्च को खेला जाना है। आयोजन स्थल के रूप में लाहौर, कराची और रावलपिंडी को चुना गया है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक रिश्तों के कारण भारत ने जुलाई 2008 के बाद से अपनी टीम को पाकिस्तान नहीं भेजा है।

नकवी ने कहा, 'भारतीय टीम को आना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि वे यहां आना रद्द या स्थगित करेंगे और हमें पूरा भरोसा है कि हम चैंपियंस ट्रॉफी में सभी टीमों की मेजबानी पाकिस्तान में करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत सहित सभी टीमों की मेजबानी के लिए तैयार है और तैयारियां तय समय पर चल रही हैं। नकवी ने कहा, 'स्टेडियम भी तय समय पर मैचों की मेजबानी के लिए तैयार हो जाएंगे।'

हमने टीम मीटिंग में जो निर्णय लिया, वह कारगर रहा : पहले मैच जीतकर पर बोले

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 में बांग्लादेश पर टीम की 7 विकेट से शानदार जीत पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती ने भारत की जीत की नींव रखी और मेहमान टीम को 127 रन पर समेट दिया। इन दोनों ने मिलकर छह विकेट चटकाए। जवाब में विश्व चैंपियन टीम ने अपने स्तर का प्रदर्शन किया और 49 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली।

हार्दिक पांड्या ने बल्ले से तूफानी प्रदर्शन किया और 16 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन बनाए। सूर्यकुमार ने भी तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली जबकि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी 19 गेंदों पर 29 रन का योगदान देकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। मैच के बाद भारतीय कप्तान ने कहा, 'हमने बस अपने कौशल का समर्थन करने की कोशिश की और हमने अपनी टीम मीटिंग में जो निर्णय लिया, वह कारगर रहा। जिस तरह से खिलाड़ियों ने नए मैदान पर खेलते हुए चरित्र दिखाया और जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, वह शानदार था।'

सीरीज के पहले मैच में भारत ने मयंक यादव और नितीश रेड्डी को डेब्यू कैप दी। यह कदम कारगर साबित

हुआ क्योंकि मयंक ने अपने करियर की शुरुआत मेडन से की और उसके बाद अपने दूसरे ओवर में महमुदुल्लह का विकेट लिया। तेज गेंदबाज ने अपने चार ओवर में 1-21 के आंकड़े के साथ वापसी की। इस बीच नितीश अपने दो ओवर में विकेट नहीं निकाल पाए लेकिन एक छक्के सहित 16 रन बनाए। उनके प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'बहुत उत्साहित हूं और अगले मैचों में उन्हें देखने के लिए उत्सुक हूं। जब आप मैदान पर होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द होता है कि किसे गेंदबाजी करनी है। हर बार जब आपके पास एक अतिरिक्त विकल्प होता है, तो यह अच्छी बात है। आप हर नए खेल में कुछ नया सीखते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हमेशा कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत होती है, हम अगले गेम में बैठकर इस पर बात करेंगे।' भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी-20 मैच बुधवार को दिल्ली में खेला जाएगा जिसके बाद श्रृंखला का अंतिम मैच हैदराबाद में होगा।

इस माह के अंत तक एकदिवसीय और टी20 के लिए कप्तान की घोषणा करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इस महीने के अंत तक सीमित ओवरों के लिए लिए कप्तान की घोषणा करेगा। इससे पहले बाबर आजम ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वहीं टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन भी अपने घर दक्षिण अफ्रीका लौट गये हैं। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि कर्स्टन ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीरीज के लिए इसी माह के अंत में 29 अक्टूबर को टीम से जुड़ेंगे। कर्स्टन सीधे मेलबर्न पहुंचेगी। हाल में कर्स्टन ने चैम्पियंस कप में पाकिस्तान के खिलाड़ियों की स्थिति का आंकलन करने के बाद क्रिकेट की स्थिति पर चयनकर्ताओं तथा बोर्ड अधिकारियों के साथ हुई बैठकों में अपने विचार रखे थे। पाकिस्तान को नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में कुल 18 मैच खेलने हैं इसमें नौ एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच है। इसकी दौरे की शुरुआत चार नवंबर को मेलबर्न से होगी। अभी तक मिले अनुमानों के अनुसार विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी सीमित ओवर प्रारूप में कप्तानी के दावेदार हैं।

पहला ही ओवर मेडन करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने मयंक यादव

ग्वालियर। युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। मयंक ने अपना पहला ही ओवर मेडन किया। इस प्रकार मयंक पहला ही ओवर मेडन करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। मयंक से पहले ये रिकार्ड केवल पूर्व क्रिकेटर अजित आगरकर और अर्शदीप सिंह के नाम था। मयंक और आगरकर के अलावा केवल एक अन्य भारतीय गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दो साल पहले आगरकर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। मयंक प्रशंसकों को उम्मीद थी कि फैंस को उम्मीद रही होगी कि कप्तान सूर्यकुमार यादव उन्हें नई गेंद से अवसर देंगे पर ऐसा नहीं हुआ। पहले चार ओवर अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या ने किए जबकि पांचवां ओवर स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मिला। इसके बाद मयंक को गेंदबाजी मिली। मयंक यादव ने अपने पहले ओवर में ही बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को एक रन भी नहीं बनाने दिया। इस प्रकार मयंक यादव भारत के तीसरे ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने अपने पहले टी20 मैच का पहला ओवर ही मेडन फेंका।

भारतीय क्रिकेट टीम के पास नया रिकार्ड बनाने का अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पास बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के बचे हुए मैच अपना ही पिछला रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। भारतीयटीम ने जुलाई 2024 से अब तक लगातार 8 टी20 मैच जीते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ बाकी बचे हुए दो मैचों को जीतने के बाद टीम इंडिया साल 2020 में मिली लगातार 9 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकती है। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखकर लगता है कि वह नया रिकार्ड बनायेगी। इस साल भारतीय टीम केवल एक टी20 मैच ही हारी है। इस बार भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता इस साल भारत ने 20 टी20 अंतर्राष्ट्रीच खेले हैं और सिर्फ एक ही मैच हारी है। भारतीय टीम के पिछले कुछ सालों में किए गए टी20 प्रदर्शन पर बात करें दिसंबर 2023 से लेकर जून 2024 तक भारत ने 12 टी20 जीत दर्ज की हैं। नवंबर 2021 से लेकर फरवरी 2022 तक भी भारत ने लगातार 12 टी20 जीत दर्ज की थी। इसके अलावा 2020 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक भारत ने लगातार 9 जीत दर्ज की थी। अब भारतीय क्रिकेट टीम जुलाई 2024 से अब तक 8 जीत के साथ पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के रास्ते पर है। टीम ने पहले टी20 में जैसा प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए आगे भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023 में 5 मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से हारने के बाद से ही कोई सीरीज नहीं हारी है। इसके बाद भारत ने टी20 सीरीज में आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, जिंबाब्वे और श्रीलंका को हराया है। इसी दौरान टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप जीता है।

आर्कटिक ओपन सुपर 500: पेरिस ओलंपिक की निराशा के बाद वापसी करेंगे सिंधू और सेन

नई दिल्लीवंता (फिनलैंड)। (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने में नाकाम रहे भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू होने वाले आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगे। सिंधू और सेन का ओलंपिक के बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा। इन दोनों ने इस बीच अपने खेल का मूल्यांकन करने और उसमें आवश्यक सुधार करने पर ध्यान दिया। सिंधू ने इस बीच अपने पिछले कोच इंडोनेशिया के एगस ड्वी सैंटोसो से नाता तोड़कर भारत के अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल को अपने नए कोच के रूप में नियुक्त किया।

दूसरी तरफ सेन ने अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल ऐरेना में बिताया। आर्कटिक ओपन में सिंधू का पहला मुकाबला कनाडा की मिशेल ली सेजबकि ओलंपिक में कांस्य पदक के मुकाबले में हारने

वाले सेन का डेनमार्क के राससस गेम्के से होगा। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू अगर पहली बाधा पर कर लेती हैं तो अगले दौर में उनका सामना 2022 की जूनियर विश्व चैंपियन 18 वर्षीय जापानी खिलाड़ी टोमाको मियाज़ाकी से हो सकता है जिससे वह इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन में हार गई थी।

सेन के लिए भी यह गेम्के से बदला लेने का मौका होगा। वह 2023 में इंडिया ओपन में उनसे हार गए थे। अगर वह इस मैच को जीतने में सफल रहते हैंतो उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के सातवीं वरीयता प्राप्त चोउ टीएन चेन से हो सकता है। चोट के कारण चार महीने तक बाहर रहने के बाद मकाऊ ओपन में वापसी करने वाले किदांबी श्रीकांत भी आर्कटिक ओपन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। वह हमवतन किरण जॉर्ज और सतीश कुमार करुणाकरण के साथ क्वालीफायर से अपना अभियान आगे बढ़ाएंगे। क्वालीफायर में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत का मुकाबला जॉर्ज से होगा, जबकि सतीश फ्रांस के अरनॉड मर्कले से भिड़ेंगे।

महिला एकल में सिंधू के अलावा फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। चीन ओपन सुपर 1000 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली मालविका पहले दौर में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी, जबकि आकर्षी का मुकाबला जर्मनी की यवोन ली से होगा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुडा क्वालीफायर में इज़राइल की हेली नीमन से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में कोई भारतीय भाग नहीं ले रहा है लेकिन रितुपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा महिला युगल में जबकि सतीश और आद्या वरियाथ मिश्रित युगल में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

हरमनप्रीत ने अपनी सफलता का श्रेय एचआईएल को दिया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के कारण ही वह आज यहां तक पहुंचे हैं। ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत के लिए अब तक का सफर अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि इस लीग से अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर उन्हें मिला था। इसी कारण वह 234 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 205 गोल दागने में सफल रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा, ''हॉकी इंडिया लीग का मेरे विकास का एक बड़ा हिस्सा था। लीग ने मुझे विभिन्न कोचों के अंतर्गत अलग खेल शैलियों से अवगत कराकर अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच दिया।

''उन्होंने कहा, ''लीग में खेलने से और विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से ही आप आगे बढ़ते हैं। इससे आपको सोचने के कई दृष्टिकोण और तरीके मिलते हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''यह सब भारतीय हॉकी के विकास का अहम हिस्सा था और इसने निश्चित रूप से ओलंपिक पदक जीतने में हमारी सहायता की।'' हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय हॉकी के लिए एचआईएल से ज्यादा अच्छा कुछ नहीं हो सकता और देश के सभी खिलाड़ी इस लीग में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित होंगे।

भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को हराने का नतीजा, सनत जयसूर्या बने श्रीलंका के प्रमुख कोच

कोलंबो। सनत जयसूर्या को 2026 टी-20 विश्व कप तक श्रीलंकाई पुरुष टीम का प्रमुख कोच बनाया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अंतरिम कोच जयसूर्या की अगवाई में टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें स्थाई कोच बनाने का फैसला किया है। एसएलसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, 'श्रीलंका क्रिकेट की एग्जेक्यूटिव कमेटी ने टीम के बेहतरीन प्रदर्शन को आधार मानते हुए ये निर्णय लिया है। जयसूर्या के अंतरिम कोच रहते हुए टीम ने भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की है।' पिछले कुछ महीने में जयसूर्या की कोचिंग में श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत के एकदिवसीय सीरीज जीती, उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में 10 साल बाद टेस्ट में जीत हासिल की और फिर अभी भी न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज में 2-0 से हराते हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। जयसूर्या का ये पहला कोचिंग अनुभव है। इससे पहले जयसूर्या श्रीलंकाई टीम के साथ मुख्य चयनकर्ता के तौर भी कार्यभार संभाल चुके हैं। प्रमुख कोच के तौर पर जयसूर्या का पहली परीक्षा दंबुला और पल्लेकेले में होने वाले वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सफेद गेंद सीरीज में होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जीत का श्रेय गंभीर को नहीं इसे देना चाहिए : गावस्कर

स्पोर्ट्स डेस्क - महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि कानपुर में बांग्लादेश पर भारत की उल्लेखनीय टेस्ट जीत का श्रेय नवनियुक्त कोच गौतम गंभीर के बजाय रोहित शर्मा को जाना चाहिए। गावस्कर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट की आक्रामक शैली को अपनाया है और इस साहसिक दृष्टिकोण को वर्णित करने के लिए 'गोहित' लेबल का सुझाव दिया। गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की रणनीति के लिए गंभीर को मान्यता मिलने पर अपनी निराशा व्यक्त की और इसे '' उच्च कोटि की चाटुकारिता'' करार दिया। गावस्कर ने लिखा, 'जबकि बेन स्टोक्स और मैकुलम के नए शासन के तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस दृष्टिकोण को उनके नाम करना सबसे बड़ी गलती है। गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं।' उन्होंने कहा, 'जिस तरह से 50 साल पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में वाटरगेट कांड के बाद अब किसी भी घोटाले को यह-गेट या वह-गेट कहा जाता है, उसी तरह इस भारतीय बल्लेबाजी दृष्टिकोण को इंग्लैंड टीम के बल्लेबाजी रवैये के लिए 'बाजबॉल' शब्द गढ़े जाने के बाद यह-बॉल और वह-बॉल कहा जाने लगा। इसे ऐसा इसलिए कहा गया क्योंकि 'बाज'' उनके कोच, न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम का उप-नाम है, जिन्होंने ठीक उसी तरह बल्लेबाजी की, जैसी उनकी टीम कर रही थी - रन बनाने के प्रयास में सावधानी को हवा में उड़ा दिया।'

भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने लिया संन्यास, ओलंपिक में नहीं जीत पाई थीं पदक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा कर्माकर ने अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया है। दीपा 2016 के रियो ओलंपिक में पदक से चूक गई थीं, उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया था। 31 वर्षीय दीपा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली भारत की पहली महिला जिमनास्ट बनीं थीं। उनका रियो ओलंपिक के वॉल्ट इवेंट में महज 0.15 पॉइंट से ओलंपिक में मेडल जीतने का सपना अधूरा रह गया था।

वहीं दीपा ने संन्यास को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, बहुत सोच-समझ कर मैंने जिमनास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। ये कोई आसान फैसला नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि ये सही वक्त है। जब से मैं याद कर सकती हूं जिमनास्टिक मेरे जीवन का केंद्र रहा और मैं उतार-चढ़ाव और बीच की हर चीज के लिए आभारी हूं।

दीपा ने 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था और ऐसा करने वाली भारत की पहली जिमनास्ट बनीं थीं। उन्होंने अपने सफर को लेकर कहा कि, जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस होता है। विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, पदक जीतना और सबसे यादगार, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट का प्रदर्शन करना। हमेशा मेरे करियर के शिखर के रूप में याद किया जाएगा। ये पल सिर्फ मेरे लिए जीत नहीं थे, ये भारत की हर उस युवा लड़की की जीत थी जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जिसने माना की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी संभव है।

भारतीय टीम ने 42 वीं बार किसी टीम को ऑलआउट कर रिकार्ड बनाया

ग्वालियर। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 में जीत दर्ज करने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस मैच में बांग्लादेश को ऑलआउट कर दिया। ये 42 वीं बार है जब भारतीय टीम ने किसी टीम को ऑलआउट किया। इससे पहले ये रिकार्ड केवल पाकिस्तान के नाम था। पाकिस्तान ने यह रिकॉर्ड जहां 245 मैच खेलकर बनाया। वहीं भारतीय टीम ने 236वें मैच में ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फॉरएवर न्यू ने तृप्ति डिमरी को ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया

सुरत भुमि,गुजरात। प्रमुख मेलबर्न-आधारित महिला फैशन ब्रांड, फॉरएवर न्यू ने बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी को अपना नया ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया है।

तृप्ति अपनी आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति और बेहतरीन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। फॉरएवर न्यू के साथ जुड़कर वे भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, साउथ अफ्रीका और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी फ्रेश, बोल्ड और यूथ अपील फॉरएवर न्यू की टारगेट ऑडियंस- युवाओं तथा फैशन के प्रति विशेष रुझान रखने वाली महिलाओं के साथ पूरी तरह मेल खाती है, जो सौंदर्य और कंटेम्परारी स्टाइल को महत्व देते हैं।

तृप्ति का फैशन सेंस और युवाओं से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें इस ब्रांड के लिए सबसे आदर्श चेहरा बनाती है। यह फॉरएवर न्यू के दृष्टिकोण के साथ सहजता से मेल खाता है, जो कि सदाबहार परिष्कार को आधुनिक शैली के साथ मिश्रित करता है। तृप्ति की अपील ब्रांड को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद करेगी और इसे एक प्रमुख फैशन ब्रांड के रूप में स्थापित करेगी।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, तृप्ति ने कहा, "फॉरएवर न्यू की सदाबहार अपील और आधुनिक फैशन का शानदार मिश्रण की वास्तव में सराहनीय है। यह मेरी व्यक्तिगत शैली से बखूबी मेल खाता है। एक ऐसे ब्रांड की ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है, जो मेरे दिल के सबसे करीब है। इस सफर की शुरुआत करने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूँ और दुनिया भर के फैशन प्रेमियों को इस शानदार कलेक्शन से रूबरू कराने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।"

फॉरएवर न्यू, ऑस्ट्रेलिया के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, दीपेंद्र गोयंका ने इस पार्टनरशिप को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "हमें बेहद खुशी है कि तृप्ति डिमरी ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर के रूप में हमारे साथ जुड़ रही हैं। उनकी शालीनता, सहजता, सकारात्मकता और आत्मविश्वास, वो गुण हैं, जो वास्तव में तारीफ के काबिल हैं, और सबसे खास बात, ये हमारे ब्रांड की पर्सनालिटी और मूल्यों से सहजता से मेल खाते हैं। यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को बेहतरीन क्वालिटी और ग्लैमर के साथ परिधान पेश करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। हमें उम्मीद है कि तृप्ति के जुडने से हमारे ऑटम विंटर कलेक्शन को अलग पहचान मिलेगी, क्योंकि वे हर परिधान की आधुनिक और आकर्षक शैली को शानदार ढंग से पेश करती हैं। उनकी शालीनता और आत्मविश्वास इस कलेक्शन को और भी खास बनाएँगे।"

इस अवसर पर, फॉरएवर न्यू इंडिया के कंट्री डायरेक्टर ध्रुव बोगरा ने कहा, "फॉरएवर न्यू एक फैशनेबल और समावेशी ब्रांड है, जो बेहतरीन गुणवत्ता और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करता है। हम भारत में अपने दस लाख से भी अधिक ग्राहकों के साथ अपने रिश्ते को और भी अधिक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

फॉरएवर न्यू ने तमाम फैशन प्रेमियों के लिए अपनी 'एक्सेसिबल टू लक्ज़री' पोजिशनिंग के साथ इस कलेक्शन को तैयार किया है, जिसमें गुणवत्ता और स्टाइल का एक बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। यह कलेक्शन ब्रांड के एक्सक्लूसिव स्टोर्स, डिपार्टमेंट स्टोर्स, forevernew.co.in और प्रमुख ई-कॉमर्स फैशन पोर्टल्स पर अक्टूबर से उपलब्ध है, जहाँ आप अपने व्यक्तिगत स्टाइल को दर्शाने वाला सबसे शानदार कलेक्शन पा सकते हैं।

एकल दिवाली मेले में उमड़ीं महिलाओं की भीड़

सुरत भुमि, सूरत। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा दो दिवसीय एकल दिवाली मेले का आयोजन सोमवार से सिटी-लाईट स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया । मेले के पहले दिन ही महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। मेले की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मेले में एकल अभियान द्वारा ग्रामीणों से बनाई हल्दी, दीपक, रागी पापड़ आदि का भी प्रदर्शन किया गया। मेले में विभिन्न तरीक़ों के डिज़ाइनर परिधान, ज्वैलरी, आर्ट-क्राफ़्ट वर्क, आगामी दिवाली के त्यौहार को देखते हुए होम डेकॉर आदि का भव्य प्रदर्शन किया गया है। मेले का समापन मंगलवार को होगा।

पूर्वा मंत्री ने अंकलेश्वर नवरात्रि में धूम मचाई : संगीत और संस्कृति का एक शानदार उत्सव

सुरत भुमि, अंकलेश्वर। अंतर्राष्ट्रीय पॉप कलाकार और गायिका-गीतकार, पूर्वा मंत्री, गार्डन सिटी अंकलेश्वर नवरात्रि उत्सव में मंच पर धूम मचा रही हैं। उनके धमाकेदार और ऊर्जावान प्रदर्शन ने लोगों के मनपसंद त्योहार में नया जोश और उत्साह भर दिया है। अमेरिका में अपने सफल "पुर्वास्टिक टूर" के बाद, पूर्वा यहाँ एक धमाकेदार नवरात्रि उत्सव के साथ आई है, जो हजारों लोगों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने परंपरा और आधुनिकता को एक साथ लेकर इस उत्सव को और भी यादगार बना दिया है।

पूर्वा के जोरदार प्रदर्शन ने उत्सव को एक विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में बदल दिया है, जिससे उनके और दर्शकों के बीच मधुर संबंध बने है, जिससे रात-रात भर यहां कार्यक्रम स्थल पर लोगों की भारी भीड उमड़ती रहती है। लोकप्रिय लोकगीतों की उनकी प्रस्तुतियों में, उनकी विशिष्ट शैली के साथ, लोग डान्स करते हैं और अनोखे उत्साह के साथ नवरात्री त्यौहार मनाते हैं।

पूर्वा कहती हैं, "अंकलेश्वर में हर रात एक खूबसूरत सपने की तरह लगती है! यहां लोगों की ऊर्जा और उत्साह बेजोड़ है। मैं संस्कृति के इस जीवंत उत्सव में अपना संगीत लाने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ। साथ मिलकर, हम ऐसे पल बीता रहे हैं, जो जीवनभर याद रहेंगे!"

दर्शकों को उत्साहित करने, उन्हें हर मोड पर बांधे रखने की उनकी क्षमता, पूर्वा को वास्तव में अलग बनाती है। शुरुआती से लेकर अंतिम धुन तक, मंच पर उनकी उपस्थिति ने हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। गार्डन सिटी अंकलेश्वर ने आयोजन स्थल को जीवंत रंगों, झूमते डांडिया और आनंदमय उल्लास के मंत्रमुग्ध कर देने वाले माहौल में बदल दिया है। ताल के साथ पारंपरिक गरबा की धुन, त्योहार में एक अनूठी ताजगी जोड़ती हैं, जिससे पूर्वा इस कार्यक्रम का निर्विवाद आकर्षण बन गई है।

प्रशंसक, युवा और वृद्ध, उनके प्रदर्शन को देखने के लिए इस महोत्सव में आते हैं। लोगों में उत्साह बहुत अधिक है क्योंकि पूर्वा एक के बाद एक दिलचस्प और मोहित कर देने वाले गीत पेश करती है, जिससे वह अंकलेश्वर के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सव की स्टार बन गई है। नवरात्रि एकता और खुशी का त्योहार है और पूर्वा इस अवसर की धड़कन बन गई है, जो इसे पहले कभी नहीं देखी गई ऊर्जा से भर देती है।

समथिंग्स ब्रूइंग ने सूरत में नया कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया

सुरत भुमि, सूरत। समथिंग्स ब्रूइंग, ने सूरत में अपने नए कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। यह भव्य उद्घाटन 6 अक्टूबर 2024 को हुआ, जो ब्रांड की 4वीं वर्षगांठ थी और अंतर्राष्ट्रीय कॉफी दिवस के कुछ ही दिनों बाद हुआ।

यह नया 800 वर्ग फुट का स्टोर जी-6 एसएनएस अरिस्ता, हैप्पी रेजिडेंसी के सामने, उधना मगदल्ला रोड, वेसु, सूरत-395007 पर स्थित है। यह स्टोर सभी प्रकार के कॉफी प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है, चाहे वे होम ब्रीवर हों, ऑफिस कॉफी सॉल्यूशन की तलाश में हों, बारिस्ता हों या कैफे के मालिक हों।

नए स्टोर की दीवारें और शेल्फ्स 50 से अधिक विश्व प्रसिद्ध कॉफी गियर ब्रांड्स से सजी हैं। इसमें फ़ेलो, एयरोप्रेस, ला माज़ीको, रैंसिलियो, एंफिम, 1जेडप्रेसो, बारात्ज़ा और केमेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स शामिल हैं। साथ ही डेलॉन्घी, यूरेका और नेस्प्रेसो जैसे पसंदीदा ब्रांड्स भी उपलब्ध हैं। चाहे वह टाइम्मोर ग्राइंडर हो या वाकाको के पोर्टेबल ब्रूअर्स, यहां कॉफी प्रेमियों को सब कुछ मिलेगा।

रैंसिलियो और ला माज़ीको जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स प्रोफेशनल-ग्रेड का कॉफी एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं, जबकि एंफिम और माल्कोनिग जैसी कंपनियां उन लोगों के लिए उत्कृष्ट हैं जो परफेक्ट ग्राइंड की तलाश में हैं।

समथिंग्स ब्रूइंग के फाउंडर और एमडी अभिनव माथुर ने उद्घाटन के मौक़े पर कहा, " कॉफी के प्रति सच्चे प्रेम के लिए पहचाने जाने वाले शहर सूरत में अपना स्टोर लॉन्च करना एक सपना सच होने जैसा है। हमारा विज़न एक ऐसी जगह बनाने का था जहां स्थानीय कॉफी कम्युनिटी आगे बढ़ सके, अपनी ब्रूइंग कैपेसिटी को बढ़ा सके और कॉफी नॉलेज को गहरा कर सके।"

समथिंग्स ब्रूइंग सूरत स्टोर पर इमर्सिव ब्रूइंग डेमोंस्ट्रेशन, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वर्कशॉप्स और विश्व-स्तरीय कॉफी उपकरणों की क्यूरेटेड रेंज शामिल हैं।

आसान टैक्स भुगतान की सुविधा देने के लिए आईडीएफसीफर्स्ट बैंक जीएसटीपोर्टल पर लाइव हुआ

सूरत । आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने जीएसटी पोर्टल के साथ अपने एकीकरण की घोषणा की है, जिससे अब बैंक के ग्राहकों के लिए जीएसटी भुगतान करना और भी आसान होगा।इसी के साथ ग्राहकों को तुरंत भुगतान की पुष्टि और चालान डाउनलोड करने की सुविधा मिलेगी, जिससे यह अनुभव और सरल हो जाएगा।

इस नए एकीकरण के जरिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के ग्राहक बैंक की इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं, रिटेल और कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ देशभर में मौजूद बैंक की किसी भी शाखा से भी जीएसटी का भुगतान कर सकेंगे। आईडीएफसीफर्स्ट बैंक के रिटेल लाइबिलिटीज़ और ब्रांच बैंकिंग हेड, श्री चिन्मय ढोबले ने कहा,"हम एक कस्टमर-फर्स्ट बैंक हैं और अपने ग्राहकों को सरल, उपयोग में आसान समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीएसटीपोर्टल के साथ यह एकीकरण हमारे हर प्रकार के बैंकिंग समाधान प्रदान करने के मिशन का एक और कदम है। हमारा उद्देश्य है कि हमारे ग्राहक आसानी से और बिना किसी परेशानी के जीएसटीका भुगतान कर सकें। हम अपने ग्राहकों से आग्रह करते हैं कि वे इस सुविधा का उपयोग करें और हमारी ऑनलाइन और शाखा सेवाओं के माध्यम से आसानी से अपना जीएसटीभुगतान करें।"

पश्चिम अफ्रीका के माली ओलंपिक पदक विजेता डाबा मोदिबो गुजरात के ताइक्वांडो कराटे खेलों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे

गुजरात।

देश भर में विभिन्न खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण और उच्च स्तरीय खेलों में भाग लेने के चलन से बच्चों और खिलाड़ियों की विभिन्न खेलों में रुचि बढ़ रही है, वहीं गुजरात में भी अच्छी संख्या में खिलाड़ी तैयार किये जा सकते हैं तायक्वोंडो कराटे खेल और उनमें से कुछ ओलंपिक स्तर तक भी जा सकते हैं। यह आयोजन अंजनेया स्पोर्ट्स द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए वे पश्चिम अफ्रीकी देश माली के ओलंपिक में पदक विजेता खिलाड़ी डाबा मोदिबो कीता नामक खिलाड़ी के माध्यम से राज्य और देश के खिलाड़ियों को ताइक्वांडो में अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। अधिक गहन देश को अधिक से अधिक ओलंपिक में पदक दिलाने के लिए प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण की आवश्यकता है, इसलिए इस प्रकार के ओलंपिक में विजेता खिलाड़ियों को देश और गुजरात में लाकर हम उस तरह का प्रशिक्षण देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बच्चे और खिलाड़ी पदक जीतें और आने वाले दिनों में हर राज्य में विशेष रूप से ताइक्वांडो खेल के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र और एक अकादमी स्थापित करने की दिशा में भी हमने गहन तैयारी की है। अंजनेया स्पोर्ट्स प्रा. लिमिटेड के निदेशक मनीष पटेल ने कहा कि हमने पश्चिम अफ्रीकी देश माली से दो बार के पदक विजेता ओलंपियनों को दस दिनों के लिए भारत में आमंत्रित किया है और हमारा लक्ष्य है कि 2036 में जब भारत ताइक्वांडो जैसे खेल में हिस्सा लेने जा रहा है तो उसमें भारत से भी हिस्सा लिया जाए। साथ ही ओलंपिक में इस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करना प्राथमिकता है और इसके लिए देश भर में ऐसे ओलंपिक पदक विजेताओं को प्रशिक्षण देने की दिशा में आगे बढ़ने की योजना है। मोदिबो ने कहा कि वह भारत और विशेष रूप से गुजरात में अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार हैं और मैं भारत में एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आने वाले दिनों में भारत से जुड़ने और प्रशिक्षण लेने के लिए तैयार हूं।

Sensodyne ने विश्व डेंटिस्ट दिवस के अवसर पर एआई-पॉवर्ड पर्सनालाईज़्ड वीडियो द्वारा डेंटिस्ट की भूमिका को सम्मानित किया

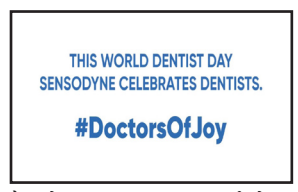

भारत: हाउस ऑफ Haleon ने देश में एक इनोवेटिव डिजिटल कैंपेन शुरू किया है, जिसमें एआई का उपयोग करके पूरे देश में डेंटिस्ट्स के वीडियो बनाए गए हैं। इन वीडियो में ओरल हैल्थ में सुधार लाने और लोगों के दैनिक अनुभव खुशनुमा बनाने में उनकी भूमिका प्रदर्शित की गई है।

Haleon में कैटेगरी लीड- ओरल हैल्थकेयर, किश्लय सेठ ने कहा, "Sensodyne में हम लोगों को स्वस्थ और खुशनुमा जीवन प्रदान करने में डेंटिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं। इस विश्व डेंटिस्ट दिवस के अवसर पर हम लोगों के जीवन में खुशी लाने के लिए डेंटिस्ट्स को सम्मानित करना और उनका आभार व्यक्त करना चाहते हैं। व्यक्तिगत वीडियो बनाकर हमारा उद्देश्य हर डेंटिस्ट के योगदान को सम्मानित करना और उन्हें यह दिखाना है कि वो लोगों के ओरल स्वास्थ्य एवं संपूर्ण सेहत में सुधार लाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

इस अभियान के लिए एआई की मदद से डेंटिस्ट्स के 4000 कस्टमाईज्ड वीडियो बनाए गए हैं, जो उन्हें 'डॉक्टर्स ऑफ जॉय' के रूप में सम्मानित करते हैं। ये व्यक्तिगत वीडियो लोगों की ओरल हैल्थ की समस्याओं को ठीक करके उन्हें खुशी के क्षण प्रदान करने और खुशी फैलाने में डेंटिस्ट की भूमिका के लिए उनका आभार प्रकट करते हैं। ये वीडियो विभिन्न शहरों में साझा किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य लोगों के जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करना है।

सुरक्षा स्मार्ट सिटी को पीएमजेवाई के तहत 6,500 बुकिंग के साथ 1,450 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

मुंबई । वसई (पूर्व) में 362 एकड़ की विशाल टाउनशिप, सुरक्षा स्मार्ट सिटी ने मार्च से मई 2024 तक केवल तीन महीनों में प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमजेवाई) के तहत 6,500 बुकिंग प्राप्त करके एक मील का पत्थर हासिल किया है। इस रिकॉर्ड बुकिंग के साथ सुरक्षा स्मार्ट सिटी को 1,450 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है।

ईडब्ल्यूएस के लिए पात्रता सीमा को संशोधित करने के सरकार के फैसले के बाद, पीएमजेवाई बुकिंग में वृद्धि अब एमएमआर में 6 लाख रुपये तक की वार्षिक घरेलू आय वाले व्यक्तियों को शामिल करने में सक्षम बनाती है। नीति परिवर्तन ने घर खरीदने की पहुंच को व्यापक बना दिया है, जिससे बड़ी संख्या में खरीदारों को 1 बीएचके इकाइयों के लिए बैंक ऋण प्राप्त करने की अनुमति मिल गई है, प्रत्येक की लागत लगभग रु। 22.50 लाख. खरीदारों की यह आमद सुरक्षा स्मार्ट सिटी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को आगे बढ़ाने में सहायक रही है। पीएमजेवाई के तहत रु. 2.50 लाख की सीधी सरकारी सब्सिडी और सिर्फ रु. 1000 स्टाम्प ड्यूटी का और भी लाभ उठाया जा सकता है।

जबरदस्त प्रतिक्रिया को पूरा करने और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए, सुरक्षा स्मार्ट सिटी ने 3डी कास्टिंग के साथ प्रीकास्ट तकनीक सहित उन्नत निर्माण तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध किया है। इससे न केवल निर्माण की समय-सीमा में तेजी आती है, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता भी बढ़ती है और श्रम प्रबंधन सुव्यवस्थित होता है। विशेष रूप से प्रीकास्ट तकनीक को अपनाना गेम-चेंजर साबित हुआ है, जिससे कंपनी को समयसीमा और लागत दक्षता को बनाए रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले घर बनाने में मदद मिली है।

परियोजना की सफलता के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, सुरक्षा समूह के प्रबंध निदेशक, जश पंचमिया ने कहा, च्चीएमजेवाई के तहत सुरक्षा स्मार्ट सिटी के लिए हमें जो प्रतिक्रिया मिली है वह वास्तव में उत्साहजनक है। गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है, और घर खरीदारों की भारी रुचि इस मिशन के महत्व की हमारी मान्यता की पुष्टि करती है।

सैमसंग ने गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 पर आकर्षण फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स – गैलेक्सी Z फ्लिप6 और गैलेक्सी Z फोल्ड6 पर खास ऑफर्स की घोषणा की है। ये स्मार्टफोन्स गैलेक्सी एआई को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे और यूजर्स को एक अनोखा मोबाइल अनुभव देंगे।

इस फेस्टिव सीजन में गैलेक्सी Z फोल्ड6 खरीदने पर ग्राहक 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ 12,500 रुपये का बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस का लाभ उठा सकते हैं। इसी तरह, गैलेक्सी Z फ्लिप6 पर भी 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ 11,000 रुपये का बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस मिल रहा है। गैलेक्सी Z फोल्ड6 की कीमत 1,64,999 रुपये से शुरू हो रही है, जबकि गैलेक्सी Z फ्लिप6 की कीमत 1,09,999 रुपये से शुरू होती है। ग्राहक इन फोन्स को ईएमआई पर भी खरीद सकते हैं, जिसमें गैलेक्सी Z फ्लिप6 के लिए 3,056 रुपये और गैलेक्सी Z फोल्ड6 के लिए 4,584 रुपये की आसान किस्तें शुरू हो रही हैं।

इसके अलावा, गैलेक्सी Z फोल्ड6 और गैलेक्सी ™ फ्लिप6 खरीदने वाले ग्राहक केवल 999 रुपये में गैलेक्सी Z एश्योरेंस प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम के तहत पहले गैलेक्सी ™ फोल्ड6 के लिए 14,999 रुपये और गैलेक्सी Z फ्लिप6 के लिए 9,999 रुपये चार्ज होते थे। Z एश्योरेंस प्रोग्राम के जरिए ग्राहक एक साल में दो बार क्लेम कर सकते हैं, जिससे उनके डिवाइस को पूरी सुरक्षा मिलती है।

नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स अब तक के सबसे हल्के और स्लिम गैलेक्सी Z सीरीज के डिवाइस हैं। इनका डिज़ाइन पूरी तरह से सिमेट्रिकल है और ये सीधे किनारों के साथ आते हैं। गैलेक्सी Z सीरीज आर्मर एल्यूमिनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 से बनी है, जो इसे सबसे टिकाऊ बनाते हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड6 और फ्लिप6 स्नैपड्रैगन0 8 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म पर चलते हैं, जो अब तक का सबसे उन्नत स्नैपड्रैगन प्रोसेसर है। इसमें सीपीयू, जीपीयू और एआई परफॉर्मेंस का बेहतरीन संयोजन है, जो शानदार ग्राफिक्स और बेहतर प्रदर्शन देता है।

गैलेक्सी Z फोल्ड6 में कई एआई- पॉवर्ड (सक्षम) फीचर्स और टूल्स शामिल हैं जैसे कि नोट असिस्ट, स्केच टू इमेज, इंटरप्रेटर, फोटो असिस्ट और इंस्टेंट स्लो-मो। इसकी बड़ी स्क्रीन आपके काम को और आसान और प्रोडक्टिव बनाती है। फोल्ड6 अब 1.6× बड़े वैपर चैम्बर के साथ आता है, जिससे आप लंबे समय तक गेम खेल सकते हैं। इसमें रे ट्रेसिंग की सुविधा है, जो 7.6 इंच की स्क्रीन पर बेहतरीन ग्राफिक्स दिखाती है, और 2600 निट्स की अधिकतम ब्राइटनेस के साथ गेमिंग को और भी मजेदार बनाती है।

गैलेक्सी Z फ्लिप6 में नए कस्टमाइजेशन और क्रिएटिविटी फीचर्स हैं, जो यूजर्स को हर पल का बेहतरीन उपयोग करने में मदद करते हैं। इसमें 3.4 इंच का सुपर एमोलेड फ्लेक्सविंडो है, जिससे आप एआई-सक्षम फंक्शन का उपयोग कर सकते हैं बिना डिवाइस को खोले। यूजर्स सुझाव के अनुसार टेक्स्ट का रिप्लाई भी कर सकते हैं, जो उनके संदेशों का विश्लेषण कर उपयुक्त जवाब देने में मदद करता है।

फ्लेक्सकैम अब नए ऑटो ज़ूम के साथ आता है ताकि शॉट्स के लिए सर्वश्रेष्ठ फ्रेमिंग तैयार की जा सके। यह सब्जेक्ट की पहचान करता है और कोई भी आवश्यक एडजस्टमेंट करने से पहले ज़ूम इन और ज़ूम आउट करता है। नया 50एमपी का वाइड एवं 12 एमपी का अल्ट्रा-वाइड सेंसर्स तस्वीरों में स्पष्ट एवं शानदार डिटेल्स के साथ कैमरा का अपग्रेडेड अनुभव प्रदान करते हैं। गैलेक्सी ™ फ्लिप6 अब ज्यादा बेहतर बैटरी लाइफ के साथ आता है और इसमें पहली बार वैपर चैम्बर भी दिया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)